डिजिटल एडिशन

द अनकवर्ड अपडेट

E-mail: tniawaz.news@gmail.com | कवर के पीछे की खबर | RAJHIN/25/A4779

हिन्दुस्तान पत्रिका

जयपुर, दौसा, करौली, अलवर, टोंक, अजमेर, भरतपुर, धौलपुर, बीकानेर, कोटा, सवाईमाधोपुर से प्रसारित

www.hpnews.in/www.tniawaaz.in | जयपुर, सोमवार 12 दिसंबर, 2026 | » वर्षः 01 » अंकः 29 » पृष्ठः 8 » मूल्यः 2.00 रू.

प्रदेश में माइनस में पारा, कोहरे के कारण फ्लाइट कैंसिल

8 जिलों में स्कूलों में छुट्टियां बढ़ाई, मकर संक्रांति पर होगा कोल्ड डे

द अनकवर्ड अपडेट

शेखावाटी एरिया के कई जिलों में सुबह बर्फ जमी दिखी। सीकर में एक खेत में सिंचाई वाले पाइप के अंदर तक बर्फ जम गई।

जयपुर। राजस्थान के 8 जिलों में कड़ाके की ठंड के कारण स्कूलों में छुट्टियां बढ़ा दी गई हैं। रविवार को फतेहपुर में न्यूनतम तापमान -2 और नागौर में -1 डिग्री दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान में गिरावट के कारण यहां जगह-जगह बर्फ जम गई। रेगिस्तानी जिले जैसलमेर के कई एरिया में सुबह बर्फ जमी नजर आई। ऐसा ही कुछ नजारा हिल स्टेशन माउंट आबू का रहा। उदयपुर में घने कोहरे के कारण 7 फ्लाइट्स कैंसिल कर दी गई।

सीकर में 5वीं क्लास तक के बच्चों की छुट्टियां 17 जनवरी तक बढ़ा दी गई है। छठी से 12वीं क्लास तक के बच्चों का टाइम सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक कर दिया गया है। वहीं जयपुर में 5वीं क्लास तक के बच्चों की 12 और 13 जनवरी की छुट्टी घोषित कर दी गई है। डीग में कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों का 12 जनवरी को अवकाश घोषित किया गया है।

हनुमानगढ़ में नर्सरी से 8वीं कक्षा तक के बच्चों का 12 जनवरी को अवकाश घोषित किया गया है। 13 जनवरी को लोहड़ी का स्थानीय छुट्टी होने के कारण स्कूल अब 14 जनवरी को खुलेंगे। जालोर में प्री-प्राइमरी से 5वीं तक के स्टूडेंट्स की 12 जनवरी से 14 जनवरी तक अवकाश घोषित किया गया है।

नागौर में शीतलहर को देखते हुए 5वीं तक के बच्चों की 12 और 13 जनवरी को छुट्टी घोषित की गई है। जैसलमेर में भी 1 से 8वीं तक के बच्चों का 14 जनवरी तक अवकाश रहेगा। दौसा में एक से 8वीं तक के बच्चों की 12 जनवरी को छुट्टी घोषित की गई है। इस दौरान स्टाफ का समय यथावत रहेगा। सीकर के रानोली कस्बे में रविवार सुबह पेड़-पौधों पर बर्फ जमी नजर आई। शीतलहर के कारण ठिठुरन भी बढ़ गई है। सीकर जिले में सीजन में दूसरी बार तापमान माइनस में रिकॉर्ड हुआ है।

आरएसएस बदला नहीं है, समय के साथ अपने स्वरूप सामने ला रहा : भागवत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि संघ बदला नहीं है, बल्कि धीरे-धीरे विकसित हो रहा और समय के साथ उसका स्वरूप सामने आया है। उन्होंने कहा कि लोग इसे बदलाव के रूप में देख रहे हैं, जबकि मूल विचार और चरित्र वही है। भागवत नई दिल्ली में आरएसएस के 100 साल की यात्रा पर बनी फिल्म 'शतक' के गीतों के एल्बम लॉन्च कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस अवसर पर गायक सुखविंदर सिंह, फिल्म निर्देशक आशीष मल्ल, को-प्रोड्यूसर आशीष तिवारी और आरएसएस के वरिष्ठ पदाधिकारी भैयाजी जोशी भी मौजूद रहे।

संघ प्रमुख ने कहा, 'आरएसएस अपनी सौवीं वर्षगांठ मना रहा है। जैसे-जैसे संगठन का विस्तार हुआ और उसने नए-नए रूप लिए, लोगों को यह बदलाव जैसा लगने लगा।

सोमनाथ तोड़ने वाले इतिहास के पन्नों में सिमटे : पीएम मोदी

मोदी बोले- दुर्भाग्य से देश में आज भी मंदिर पुनर्निर्माण का विरोध करने वाली ताकतें मौजूद

द अनकवर्ड अपडेट

सोमनाथ। गुजरात के सोमनाथ मंदिर पर 1000 साल पहले हुए हमले को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि उस वक्त आतताई सोच रहे थे कि वे जीत गए हैं, लेकिन आज भी सोमनाथ मंदिर में फहरा रही ध्वजा बता रही है कि हिंदुस्तान की शक्ति क्या है। दुर्भाग्य से आज भी हमारे देश में वे ताकतें मौजूद हैं, जिन्होंने सोमनाथ के पुनर्निर्माण का विरोध किया था।

पीएम ने नेहरू का नाम लिए बिना कहा कि जब सरदार पटेल ने सोमनाथ के पुनर्निर्माण की शपथ ली तो उन्हें भी रोकने की कोशिश की गई। दरअसल, 1951 में मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद के शामिल होने को लेकर जवाहरलाल नेहरू ने आपत्ति जताई थी। पीएम मोदी ने मंदिर से करीब 3 किमी दूर सद्भावना ग्राउंड में रैली को संबोधित करते हुए कहा कि हमें आज भी ऐसी ताकतों से सावधान रहना है, जो हमें बांटने की कोशिश में लगी हुई हैं।

पीएम ने सुबह मंदिर में करीब 30 मिनट तक पूजा-अर्चना की। शिवलिंग पर जल चढ़ाया, फूल अर्पित किए और पंचामृत से अभिषेक किया। मोदी शनिवार शाम सोमनाथ पहुंचे थे। यहां सोमनाथ मंदिर पर साल 1026 में हुए पहले आक्रमण के हजार साल पूरे होने पर 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' मनाया गया।

सोमनाथ का वजूद नहीं मिटा पाए

आज उस इतिहास के बारे में कल्पना कीजिए, 1 हजार साल पहले 1026 में गजनवी ने मंदिर को तोड़ा था। उसे लगा उसने सोमनाथ का वजूद मिटा दिया, लेकिन इसके बाद ही मंदिर का पुनर्निर्माण शुरू हो गया। इसके बाद खिलजी ने मंदिर तोड़ा, लेकिन जूनागढ़ के राजाओं ने फिर से मंदिर का पुनर्निर्माण करा दिया।

न मंदिर नष्ट हुआ न भारत

ये भी संयोग है कि आज सोमनाथ आक्रमण के 1 हजार साल पूरे हो रहे हैं और अब इसके पुनर्निर्माण के 75 साल भी पूरे हो रहे हैं। सोमनाथ को नष्ट करने के एक नहीं, अनेकों प्रयास हुए। विदेशी आंक्राताओं द्वारा कई सदियों तक भारत को खत्म करने की कोशिशें होती रहीं, लेकिन न ही सोमनाथ नष्ट हुआ, न ही भारत।

मजहबी कट्टरपंथी कुछ नहीं बिगाड़ पाए

जब आक्रांता सोमनाथ पर हमला कर रहे थे, उन्हें लग रहा था कि उनकी तलवार सनातन सोमनाथ को जीत रही है, लेकिन वे मजहबी कट्टरपंथी यह नहीं समझ पाए कि जिस सोमनाथ को वे नष्ट करना चाहते थे। उसके नाम में ही सोम अर्थात अमृत जुड़ा है। उसमें हलाहल को पीकर भी अमर रहने का विचार जुड़ा है।

मुख्यमंत्री का छात्राओं से बजट पूर्व संवाद : डबल इंजन सरकार ने महिला सशक्तीकरण को जीवन के हर चरण से जोड़ा

विकसित भारत के संकल्प के केन्द्र में नारी शक्ति : भजनलाल शर्मा

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प के साथ देश आगे बढ़ रहा है और नारी शक्ति इसके केंद्र में है। हमारी डबल इंजन सरकार ने महिला सशक्तीकरण को जीवन के हर चरण से जोड़ा है। जिसमें मातृत्व से लेकर शिक्षा तक, शिक्षा से लेकर आजीविका तक और आजीविका से लेकर सम्मानजनक, सुरक्षित और आत्मनिर्भर जीवन तक को प्राथमिकता दी गई है। शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर सामाजिक क्षेत्र में रूचि रखने वाली छात्राओं से बजट पूर्व संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मातृत्व वह आधार है, जहां से एक स्वस्थ समाज की शुरुआत होती है। इसी सोच के साथ हमने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना को प्रभावी रूप से लागू किया है। इस योजना से प्रदेश की करीब 10 लाख महिलाएं लाभान्वित हुई हैं। इसमें देय राशि को बढ़ाकर 6 हजार 500 रुपये किया गया है।

प्रदेश में 12 लाख से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बनी

सीएम ने कहा कि महिला सशक्तीकरण सही मायने में तभी साकार होता है जब महिलाओं के हाथों में कौशल हो, आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध हों और वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनें। इसी उद्देश्य से राज्य में करीब 20 लाख महिलाओं को विभिन्न कौशल विकास और आजीविका कार्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया है। प्रदेश में 12 लाख से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं।

बेटियों को 10 लाख साइकिलें और 40 हजार स्कूटियों का वितरण

शर्मा ने कहा कि बेटी के जन्म, उसकी शिक्षा और उसके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए लाडो प्रोत्साहन योजना में दी जाने वाली राशि को बढ़ाकर डेढ़ लाख रुपये कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि बेटियों को अब तक साढ़े 10 लाख साइकिलें और करीब 40 हजार स्कूटियां दी गई हैं। वहीं, जरूरतमंद महिलाओं को 450 रुपये में गैस सिलेंडर भी उपलब्ध करवा रहे हैं।

एक लाख से अधिक पदों पर दी सरकारी नौकरी

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में युवाओं को रोजगार देना है। पिछले दो वर्षों में एक लाख से अधिक पदों पर सरकारी नौकरियां दी हैं। इसके अतिरिक्त, विभिन्न संवर्गों के डेढ़ लाख से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में 3 लाख 30 हजार से अधिक युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया गया है, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और निजी क्षेत्र में भी बेहतर अवसर प्राप्त कर सकें।

पेपरलीक पर लगी लगाम, प्रदेश में पारदर्शिता से हो रही भर्तियां

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार 5 साल में 4 लाख सरकारी नौकरी देने के संकल्प पर निरन्तर कार्य कर रही है। इसी क्रम में 10 जनवरी को नव चयनित कांस्टेबलों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए जिसमें 2500 से ज्यादा महिलाएं थी। यह हम सभी के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार में पेपरलीक हुए, लेकिन हमारी सरकार में दो वर्ष में पेपरलीक नहीं हुआ और पूर्ण पारदर्शी तरीके से भर्ती प्रक्रियाएं आयोजित हो रही हैं।

आत्मनिर्भर भारत बनाने में महिलाओं का योगदान अहम

मुख्यमंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत बनाने में महिलाएं अपना योगदान दें। राजस्थान में पर्यटन, उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार संबंधी अपार संभावनाएं हैं, जिसमें महिलाएं भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। स्टार्टअप्स और मार्केटिंग के क्षेत्र में भी नये आयाम स्थापित कर सकती हैं। उन्होंने 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जयंती पर मनाए जाने वाले युवा दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं दी और कहा कि स्वामी विवेकानंद युवाओं के प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा था 21वीं सदी भारत की होगी। उनका कथन 'उठो-जागो और तब तक मत रूको, जब तक लक्ष्य की प्राप्ति ना हो' हम सब को प्रेरित करता है। शर्मा ने कहा कि प्रदेश का विकास तभी पूर्ण होगा, जब हमारी बेटियां शिक्षित, सुरक्षित, आत्मनिर्भर और आत्मसम्मान से भरी हों। विकास तभी सार्थक होता है, जब उसमें आधी आबादी की भागीदारी हो। उन्होंने कहा कि इस संवाद से जो सुझाव मिले हैं, वे हमारे नीति-निर्माण के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगे।

जयपुर में प्री-प्राइमरी से 5वीं क्लास तक स्कूलों में छुट्टी

कड़ाके की सर्दी के कारण 12-13 जनवरी और 14 को मकर संक्रांति का अवकाश

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। जयपुर में कड़ाके की सर्दी और शीतलहर देखते हुए जिला प्रशासन ने छोटे बच्चों को राहत दी है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के आधार पर जयपुर जिले में प्री-प्राइमरी से कक्षा 5वीं तक के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में दो दिन की छुट्टी बढ़ा दी है। अब 12 और 13 जनवरी को भी इन क्लास के स्टूडेंट्स के लिए स्कूल बंद रहेंगे।

वहीं जयपुर में 14 जनवरी को मकर संक्रांति के अवसर पर जिले में पहले से ही कलेक्टर ने अवकाश घोषित कर रखा है।

मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी मुकुल कविया की ओर से जारी आदेश के अनुसार बढ़ती ठंड और शीतलहर के प्रकोप को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है, ताकि छोटे बच्चों की सेहत पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। आदेश में कहा गया है कि यह अवकाश केवल विद्यार्थियों के लिए रहेगा। सभी शिक्षक और अन्य स्टाफ को स्कूल में नियमित रूप से उपस्थित रहना होगा। साथ ही जो परीक्षाएं निर्धारित हैं, वे पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही आयोजित की जाएंगी।

14 को मकर संक्रांति का अवकाश

वहीं जयपुर में 14 जनवरी को मकर संक्रांति के अवसर पर जिले में पहले से ही कलेक्टर ने अवकाश घोषित कर रखा है। ऐसे में प्री-प्राइमरी से कक्षा 5वीं तक के स्कूल अब 15 जनवरी को खुलेंगे। प्रशासन ने कहा- 13 जनवरी तक जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में भी अवकाश रहेगा।

नियम नहीं मानने पर होगी कार्रवाई

जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक और प्रारंभिक (मुख्यालय) जयपुर को निर्देश दिए गए हैं कि वे मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों के सहयोग से सभी राजकीय और गैर-राजकीय विद्यालयों में इस आदेश की सख्ती से पालना सुनिश्चित कराएं। आदेश की अवहेलना करने वाले स्कूलों के खिलाफ आपदा प्रबंधन अधिनियम-2005 के तहत कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन के इस फैसले से अभिभावकों ने राहत की सांस ली है। उनका कहना है कि लगातार बढ़ती ठंड के बीच छोटे बच्चों को स्कूल भेजना जोखिम भरा हो सकता था। वहीं मौसम विभाग ने भी आगामी दिनों में ठंड और शीतलहर के बने रहने की संभावना जताई है, जिसके चलते प्रशासन सतर्क नजर आ रहा है।

फर्जीवाड़ा कर कॉन्स्टेबल बने, साइन से पकड़े गए

डमी कैंडिडेट बैठाए और फेक डॉक्यूमेंट दिए; हस्ताक्षर मैच नहीं हुए, 37 के खिलाफ एफआईआर

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। जालोर जिले में फर्जीवाड़ा कर पुलिस कॉन्स्टेबल बने 37 कर्मचारियों के खिलाफ SOG ने FIR दर्ज की है। इन लोगों ने डमी कैंडिडेट बैठाए और फेक डॉक्यूमेंट देकर नौकरी हासिल की थी। जांच के दौरान हस्ताक्षर (साइन) मिसमैच होने पर इस फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। पुलिस भर्ती एवं पदोन्नति बोर्ड राजस्थान ने जुलाई-2024 में जालोर एसपी को एक लेटर भेजा था। इसमें पिछले 5 सालों में की गई भर्तियों में फर्जी शैक्षणिक योग्यता के डॉक्यूमेंट देने और परीक्षा में डमी कैंडिडेट बैठाकर नौकरी पाने वाले अभ्यर्थियों के संबंध में जांच करने के लिए था और संदिग्धों की लिस्ट बनाकर एसओजी को भिजवाने के आदेश दिए थे।

जालोर एसपी ने जांच के लिए एक कमेटी गठित की थी। जांच के दौरान 37 पुलिस कॉन्स्टेबल के फर्जीवाड़ा कर सरकारी नौकरी हासिल करने का पता चला। एसपी की भेजी लिस्ट के आधार पर एसओजी ने इन पुलिसकर्मियों के खिलाफ 2 एफआईआर दर्ज की है।

26 कॉन्स्टेबल के

सिग्नेचर मिस मैच

जांच रिपोर्ट में सामने आया कि साल-2018 की भर्ती में सिलेक्ट 26 पुलिस कॉन्स्टेबल के भर्ती के समय किए हस्ताक्षर और वर्तमान समय में किए हस्ताक्षर में डिफरेंस पाया गया है। इसके आधार पर कॉन्स्टेबल जैसाराम, दिनेश कुमार, अर्जुन कुमार, घेवरचंद, यशवंत सिंह, दिनेश कुमार, बदराम, गोपीलाल, हरीश कुमार, नरपत सिंह, दिनेश कुमार, नपाराम, सुरेश कुमार, चतराराम, सुरेश कुमार, भाणाराम, रमेश कुमार, सुशीला कुमारी, शांतिलाल, देवी सिंह, जितेन्द्र कुमार, राकेश कुमार, मुकेश कुमार, डूंगराराम, रेवंतीरमन और खुशीराम के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

11 कॉन्स्टेबल खिलाफ दर्ज हुई दूसरी FIR

एसपी जालोर की ओर से गठित जांच कमेटी ने डमी कैंडिडेट और फेक डॉक्यूमेंट को लेकर जांच की। इस दौरान आवेदन पत्र, फोटो, सिग्नेचर की भली-भांति जांच की गई। इसमें कॉन्स्टेबल प्रदीप कुमार, अनिल कुमार, संजय कुमार, धनवत्ती, प्रियंका, ललिता, निरमा, सपना शर्मा, संदीप कुमार, पंकज कुमार और सोहनलाल के सिग्नेचर मिसमैच मिले। एसओजी ने इन 11 कॉन्स्टेबल के खिलाफ दूसरी एफआईआर दर्ज की है।

राजस्थान में पारा -2, सर्दी का आज रेड अलर्ट

जयपुर समेत 11 जिलों के स्कूलों में छुट्टियां बढ़ाई, जानिए- कड़ाके की ठंड से कब राहत मिलेगी

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। उत्तर भारत की बर्फीली हवाओं ने राजस्थान के रेगिस्तानी इलाकों में बर्फ जमा दी है। रविवार को प्रदेश के कई इलाकों में पारा जमाव बिंदु और उससे भी नीचे चला गया। जैसलमेर, नागौर, सीकर जिलों के कई इलाकों में बर्फ जम गई।रविवार को फतेहपुर (सीकर) में न्यूनतम तापमान -2 और नागौर में -1 डिग्री दर्ज किया गया था।

उधर, कड़ाके की ठंड के कारण जयपुर समेत 11 जिलों के स्कूलों में छुट्टियां बढ़ा दी गई हैं। साथ ही, कुछ जिलों में समय बदला गया है। रविवार को उदयपुर में घने कोहरे के कारण 7 फ्लाइट्स कैंसिल कर दी गई थीं। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि हाड़ कंपाने वाली इस सर्दी का सितम अगले कुछ दिन और जारी रहने की संभावना है। आज (12 जनवरी) दो जिलों में सर्दी का रेड अलर्ट जारी किया गया है। 5 जिलों में ऑरेंज और 5 में येलो अलर्ट रहेगा। 14 और 15 जनवरी के बाद ही कुछ राहत मिलने की संभावना है।

दिन का पारा सामान्य से 6 डिग्री नीचे गया

इस बार जनवरी की शुरुआत में पश्चिमी विक्षोभ के असर से बूंदाबांदी होने के बाद पहले हफ्ते में घना कोहरा रहा। हाल में एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के बाद ठंड बढ़ी, लेकिन दिसंबर से ज्यादा सक्रिय विक्षोभ सिस्टम नहीं बनने से पारा 9 डिग्री से कम नहीं आया। जनवरी में कोहरे से दिन का पारा सामान्य से 6 डिग्री नीचे रहने के कारण दिन में कोल्ड-डे की स्थिति रही।

मनरेगा बचाओ संग्रामः 45 दिवसीय जनआंदोलन को लेकर कांग्रेस सक्रिय

द अनकवर्ड अपडेट

ब्यावर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार देशभर में चलाए जा रहे 'मनरेगा बचाओ संग्राम' के तहत जिला कांग्रेस कमेटी ब्यावर द्वारा 45 दिवसीय राष्ट्रव्यापी जनआंदोलन को व्यापक स्तर पर संचालित किया जाएगा। ब्यावर में शनिवार को प्रेस से बात करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष किशोर चौधरी ने कहा कि मनरेगा यूपीए सरकार द्वारा लागू किया गया अधिकार-आधारित कानून है, जो ग्रामीण परिवारों को रोजगार की कानूनी गारंटी देता है। यह योजना करोड़ों परिवारों को रोजगार, पलायन पर रोक और महिला सशक्तिकरण में अहम भूमिका निभा रही है। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर मनरेगा का नाम बदलने और योजना को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए इसे श्रम की गरिमा और ग्राम स्वराज पर हमला बताया। बतौर ब्यावर प्रभारी रूबी खान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि मनरेगा को खत्म करने की किसी भी कोशिश का कांग्रेस सड़कों पर उतरकर विरोध करेगी।उन्होंने अपने विचार रखते हुए मनरेगा की रक्षा के लिए कांग्रेस के संकल्प को दोहराया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से पारस पंच (विधायक प्रत्याशी, ब्यावर), अशोक रांका (ब्लॉक अध्यक्ष), इशिका जैन (महिला कांग्रेस अध्यक्ष), जयदीप सिंह रावत (एनएसयूआई अध्यक्ष), विक्रम सोलीवाल (सेवादल अध्यक्ष), राकेश पारीक (पूर्व विधायक, मसूदा), नसीम अख्तर इंसाफ (पूर्व विधायक एवं पूर्व मंत्री) सहित अनेक कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रेडीमेड वस्त्र व्यापार संघ का स्नेह मिलन समारोह आयोजित

व्यापारी वर्ग समाज की आर्थिक रीढ़, एकता से ही सुरक्षित व्यापार संभव- डीएसपी मंसूरिया

द अनकवर्ड अपडेट

भीनमाल (भरत सोनी)। रेडीमेड वस्त्र व्यापार संघ, भीनमाल का स्नेह मिलन समारोह शहर के नीलकंठ महादेव मंदिर परिसर में सौहार्दपूर्ण वातावरण में आयोजित हुआ। समारोह में संघ के सदस्यों के साथ शहर के अनेक गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य व्यापारियों के बीच आपसी मेलजोल बढ़ाना एवं संगठनात्मक एकता को मजबूत करना रहा।मुख्य अतिथि डीएसपी शंकरलाल मंसूरिया ने अपने संबोधन में कहा कि व्यापारी वर्ग समाज की आर्थिक मजबूती का आधार है। व्यापार में आपसी एकता, सतर्कता और कानून के प्रति जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने व्यापारियों से साइबर अपराध, धोखाधड़ी और अवैध गतिविधियों से सतर्क रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम में एडवोकेट अशोकसिंह ने व्यापार से जुड़े कानूनी पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि व्यापारिक दस्तावेज, बिल, लेन-देन और अनुबंधों में पारदर्शिता रखना आवश्यक है। उन्होंने किसी भी प्रकार के विवाद से बचने के लिए विधिक जानकारी को महत्वपूर्ण बताया। रेडिमेड संघ अध्यक्ष श्रवणसिंह राव ने कहा कि स्नेह मिलन समारोह का मुख्य उद्देश्य व्यापारियों के बीच भाईचारा, सहयोग और संगठनात्मक मजबूती को बढ़ाना है। संघ सदैव अपने सदस्यों के हितों की रक्षा एवं समस्याओं के समाधान के लिए तत्पर रहेगा। एसबीआई बैंक के प्रतिनिधि तनय भारद्वाज ने व्यापारियों को विभिन्न बीमा योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि व्यापारिक प्रतिष्ठानों, स्टॉक और कर्मचारियों के लिए बीमा सुरक्षा आज की आवश्यकता है।।कार्यक्रम का मंच संचालन मीठालाल जांगिड़ ने किया। समारोह में ओमप्रकाश माहेश्वरी, जयसिंह राव, नरेश सुखाड़िया, भंवरलाल मैसी, नरेश अग्रवाल, कृष्ण दर्जी, भाजपा नेता शेखर व्यास, एडवोकेट सत्यवान सिंह राजपुरोहित, सीपी सोनी, देवेंद्र भंडारी, लक्ष्मण भजवाड़, कांतिलाल पुरोहित, भंवरलाल मेहता, ललित होंडा, सुरेश वैष्णव सहित बड़ी संख्या में व्यापारी व गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बांदीकुई के ठाकुरिया ट्रेडर्स पर छापे में बड़ा धमाका 4 बैग नकली TATA लाल घोड़ा चाय जब्त, 250 ग्राम के 399 नकली पैकेट बरामद

द अनकवर्ड अपडेट

दौसा (विष्णु आशीर्वाद)। दौसा जिले के बांदीकुई कस्बे में ब्रांडेड चाय के नाम पर नकली चाय बेचने का मामला सामने आया है। टाटा लाल घोड़ा चाय के नकली लेबल लगाकर चाय बेचने की शिकायत मिलने पर कंपनी के जांच अधिकारियों और बांदीकुई थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए एक दुकान पर छापा मारा।कंपनी के जांच अधिकारी विपिन शर्मा और नरेंद्र की मौजूदगी में पुलिस टीम ने ठाकुरिया ट्रेडर्स नामक दुकान पर दबिश दी। इस दौरान मौके से चार बैग नकली चाय तथा 250 ग्राम वजन के कुल 399 पैकेट बरामद किए गए। जब्त किए गए पैकेटों पर टाटा लाल घोड़ा चाय के फर्जी लेबल लगे हुए थे।पुलिस ने सभी नकली चाय के पैकेटों को मौके पर ही सीज कर लिया। इस संबंध में बांदीकुई थाने में कॉपीराइट एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।पुलिस अधिकारियों के अनुसार, जब्त किए गए चाय पैकेटों के सैंपल प्रयोगशाला भेजे जाएंगे, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि चाय की गुणवत्ता क्या है और उसमें किस प्रकार की मिलावट की गई है।फिलहाल पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि नकली चाय की सप्लाई कहां से हो रही थी और यह कारोबार कब से चल रहा था। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

सड़क सुरक्षा माह में निकाली जनजागरूकता साइकिल रैली

सड़क सुरक्षा माह का उद्देश्य आमजन को चालान का भय दिखाना नहीं बल्कि यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना है - डीटीओ चौधरी

द अनकवर्ड अपडेट

भीलवाड़ा/केशव मिश्रा। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत आमजन में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से रविवार प्रातः भीलवाड़ा साइकिल क्लब के तत्वावधान में एक भव्य साइकिल रैली निकाली गई। यह जानकारी देते हुए साईकल क्लब प्रभारी अरुण संतोष मुछाल ने बताया कि रैली प्रातः 09:00 बजे स्टेशन चौराहे से समाजसेवी तिलोकचंद छाबड़ा और जिला परिवहन अधिकारी रामकिशन चौधरी द्वारा हरी झंडी दिए जाने के बाद रवाना होकर शहर के मुख्य मार्गों से होकर पुनः स्टेशन चौराहा स्थित पुलिस कंट्रोल रूम पर संपन्न हुई। इस अवसर पर जिला परिवहन अधिकारी रामकृष्ण चौधरी ने कहा कि सड़क सुरक्षा माह का उद्देश्य आमजन को चालान का भय दिखाना नहीं बल्कि यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना है। इसी उद्देश्य से पूरे माह आमजन को यातायात नियमों का प्रति जागरूक किया जाएगा। रैली में प्रशासनिक अधिकारियों, डीटीओ स्टाफ, सहित बड़ी संख्या में नागरिकों ने सहभागिता की। प्रतिभागियों द्वारा सड़क सुरक्षा, हेलमेट उपयोग, सीट बेल्ट, यातायात नियमों के पालन एवं सुरक्षित ड्राइविंग से संबंधित स्लोगनों के माध्यम से आमजन को जागरूक किया गया,

रैली में प्रमुख रूप से शामिल सदस्य

अरुण संतोष मुछाल, मदन खटोड़, राकेश सक्सेना, सुरेश बम्ब, मुकेश सामरिया, मनोहर डुमोलिया, सुरेंद्र छीपा, यश झुरानी, मुकेश कुमावत (साइकिल मैन), जिनेंद्र चौधरी, अशोक राठी, गिरिराज प्रजापति, नरेश बाहेती, आशुतोष आचार्य, योगेश गर्ग, दिनेश भट्ट, रामचंद्र मूंदडा, अजय सोनी, प्रह्लाद अजमेरा, हरीश माहेश्वरी, कैलाश शर्मा, लक्ष्मीलाल गांधी, सहित अन्य साइकिल प्रेमी एवं जागरूक नागरिक उपस्थित रहे।

इस अवसर पर भीलवाड़ा साइकिल क्लब प्रभारी अरुण संतोष मुछाल ने सभी सहभागियों, प्रशासन, सहयोगी संस्थाओं एवं नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा केवल एक अभियान नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

किसान सम्मेलन में किसानो को संगठन बनाकर अपनी मांगे मजबूती से रखने के लिए किया प्रेरित

देश में किसान परेशान - इन्दल सिंह जाट

किसानों को उपज का लाभकारी मूल्य देने की मांग

द अनकवर्ड अपडेट

हलैना (विष्णु मित्तल)। कस्बा वैर के भुसावर रोड स्थित एक निजी स्कूल मे राजेश पायलेट किसान संगठन जिला इकाई द्वारा किसान सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सांसद संजना जाटव ने भाग लिया। वही कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सुनील कुमार ने की । विशिष्ट अतिथि के रूप में किसान नेता इन्दल सिंह जाट ,दरबारी सरपंच, चंद्रप्रकाश अवस्थी, भीम कारवान, रामहंस फौजी रहे। कार्यक्रम में संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रामकेश चौधरी, अंकित बैसला मीडिया प्रभारी, राजवीर कसना प्रदेश उपाध्यक्ष, राम सरन मीना जिला अध्यक्ष अलवर, लक्ष्मण सिंह सर पंच दौसा, राजकुमार खटाना करौली, महेश खेडला ब्लॉक अध्यक्ष महुआ ने भी भाग लिया।

किसान सम्मेलन में किसान नेता इन्दल सिंह जाट ने उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि किसान की कोई जाति नही है, फिर भी जातियों में बांट दिया है। किसान को समर्थन मूल्य की नही, लाभकारी मूल्य की जरूरत है। किसानों को संगठन बनाने होंगे। खेती घाटे का जरिया बनकर रह गया है। जिसके पास खेत है वह कर्जे में डूबा हुआ है। खेती की लागत कई गुना बढ़ चुकी है। लेकिन किसानों को उत्पादन के वाजिब दाम नहीं मिल रहे है। किसानों को समय पर बिजली नहीं मिल पा रही है डीएपी यूरिया खाद के हालात तो और भी खराब हैं। किसान नेता इन्दल सिंह ने कहा कि सरकारें जल जंगल और जमीनों तथा पहाड़ों को पूंजीपतियों को देती जा रही है । देश में लाखों किसानों ने आत्महत्याएँ की है लेकिन सरकारें किसानों के मुद्दों का समाधान नहीं कर रही । उन्होंने कहा कि भरतपुर जिले में सिंचाई के पानी और रोजगार का प्रबंध नहीं है , बाणगंगा नदी % गम्भीर और रुपारेल सूखी पड़ी हुई है जबकि चम्बल और उसकी सहायक नदियों का पानी बेकार बहकर समुद्र में जा रहा है , सरकार को इआरसीपी - पीकेसी के कार्य को जल्दि पूरा करना चाहिये तथा भरतपुर जिले को प्रथम चरण में पानी मिलना चाहिये ।सियाराम शर्मा ने बताया की खेती से जुड़े हर व्यक्ति किसान है। किसान भारत की रीढ़ है। उद्योग पति भी किसान पर निर्भर है। सभी संगठित होकर किसानों की आवाज उठाए। खाद ब्लैक में मिल रहा है। वहीं मुख्य अतिथि के रूप में सांसद संजना जाटव ने संबोधित करते हुए कहा कि किसान कड़ाके की ठंड में बहुत परेशान है जो लाइट दिन में मिलनी चाहिए उसे रात्रि में दिया जा रहा है वहीं दूसरी ओर किसानों को खाद भी समय पर नहीं मिल पा रहा है । हम सबको मिलकर संगठन को मजबूत बनाना चाहिए।

हितकारी सेवा संगठन के रक्तदान शिविर में 60 यूनिट रक्त संग्रहित

रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं: डीएसपी शंकरलाल मंसूरिया

द अनकवर्ड अपडेट

भीनमाल (भरत सोनी)। हितकारी सेवा संगठन, भीनमाल के तत्वावधान में स्थानीय विकास भवन में आयोजित रक्तदान शिविर में कुल 60 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। शिविर में युवाओं, समाजसेवियों एवं आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर मानव सेवा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। आयोजन को लेकर नगर में विशेष उत्साह का माहौल रहा। शिविर में पुलिस उप अधीक्षक शंकरलाल मसूरिया, स्वामी दिव्यस्वरूप, जीवनकुमार, डॉ. सत्येन्द्र सिंह नारूका, डॉ. पूजा राठौड़, अशोक सेठ, शेखर व्यास, भरतसिंह भोजाणी, जयरूपाराम माली, नरेश अग्रवाल, देवेंद्र भंडारी, लक्ष्मण भजवाड़, डॉ. गोपालदास वैष्णव, श्रवण चौधरी, ओमप्रकाश माहेश्वरी, महेंद्र सोलंकी, प्रवीण दवे, प्रेमाराम बंजारा, भंवरलाल जीनगर, किशोर सांखला, पृथ्वीराज फुलवरिया, सतीश सेन, प्रशांत त्रिवेदी, सुंदरदास वैष्णव सहित अनेक गणमान्य अतिथियों ने उपस्थिति दर्ज करवाई और रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुलिस उप अधीक्षक शंकरलाल मसूरिया ने कहा कि रक्तदान एक महादान है, जिससे किसी जरूरतमंद को जीवनदान मिलता है। ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक सोच और सेवा भावना को मजबूती प्रदान करते हैं। स्वामी दिव्यस्वरूप ने कहा कि मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर सेवा है, और रक्तदान इसके श्रेष्ठतम रूपों में से एक है। माणकमल भंडारी ने युवाओं की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि आज का युवा रक्तदान जैसे पुनीत कार्यों से समाज को नई दिशा दे रहा है। शेखर व्यास ने युवाओं के सेवा भाव की प्रशंसा की, वहीं भरतसिंह भोजाणी ने संगठन द्वारा निरंतर सेवा गतिविधियां संचालित किए जाने को सराहनीय बताया। मीठालाल जांगिड़ ने अपने उद्बोधन में कहा कि नियमित रक्तदान से न केवल दूसरों का जीवन बचता है, बल्कि रक्तदाता स्वयं भी स्वस्थ रहता है, जिससे यह सामाजिक और व्यक्तिगत दोनों दृष्टि से लाभकारी है। हितकारी सेवा संगठन के अध्यक्ष जानकीदास वैष्णव ने सभी अतिथियों, रक्तदाताओं एवं सहयोगियों का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। सचिव संजय सुखाड़िया ने बताया कि यह संगठन का पहला रक्तदान शिविर था, इसके बावजूद समाज से मिला अपार सहयोग अत्यंत उत्साहवर्धक रहा है, जो भविष्य में और बड़े सेवा कार्यों की प्रेरणा बनेगा। इस अवसर पर संगठन के कोषाध्यक्ष अक्षय बोहरा, पूर्व अध्यक्ष प्रवीण लखारा, हितेष जोशी, महिपाल भाटी, प्रवेश लखारा, अनिल जीनगर, दिनेश चौधरी, मोहन सुथार, प्रशांत भाटी, विजय लखारा, दीपक जीनगर, जितेंद्र सोनगरा, विनोद लखारा, रमेश जीनगर, महावीर सुन्देशा, कैलाश सेन, सौरभ लखारा, सागर भाटी, आजाद भाटी, कुशाल सेन सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भीनमाल पुलिस की कार्रवाई

हथियार के साथ फोटो डालना पड़ा भारी, युवक गिरफ्तार

द अनकवर्ड अपडेट

भीनमाल (भरत सोनी)। सोशल मीडिया पर हथियार के साथ फोटो पोस्ट करना एक युवक को भारी पड़ गया। पुलिस थाना भीनमाल ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोटाराम के निर्देशानुसार सोशल मीडिया पर सक्रिय अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान के तहत भीनमाल डीएसपी शंकरलाल मसूरिया के सुपरविजन में पुलिस निरीक्षक राजेन्द्र सिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में दिनांक 10 जनवरी 2026 को सोशल मीडिया पर हथियार के साथ अपनी फोटो खींचकर उसे प्लेटफॉर्म पर अपलोड करने के मामले में आरोपी रुस्तम पुत्र राजुखां (25) जाति मिरासी, निवासी नरता, पुलिस थाना भीनमाल, जिला जालोर को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार इस तरह की गतिविधियों से आमजन में भय का वातावरण बनता है, जिसे रोकने के लिए आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

ये रहे कार्रवाई में शामिल..

एएसआई नरेन्द्र, कांस्टेबल भागीरथराम,कांस्टेबल सुरेशकुमार पुलिस टीम में शामिल रहे।

भीनमाल फोटोग्राफी एसोसिएशन का स्नेह मिलन कार्यक्रम सम्पन्न

संगठन को मजबूत बनाने पर हुआ मंथन, समस्याओं के समाधान पर चर्चा

द अनकवर्ड अपडेट

भीनमाल (भरत सोनी)। भीनमाल फोटोग्राफी एसोसिएशन का स्नेह मिलन कार्यक्रम रविवार 11 जनवरी को खारा कुआं स्थित हनुमानजी मंदिर परिसर में एसोसिएशन अध्यक्ष राजू भाई के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में फोटोग्राफी से जुड़े विभिन्न मुद्दों एवं समस्याओं पर चर्चा की गई तथा उनके समाधान के लिए विचार-विमर्श किया गया। स्नेह मिलन के दौरान आगामी समय में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए सदस्यों ने अपने-अपने सुझाव एवं प्रस्ताव रखे। अध्यक्ष राजू भाई ने कहा कि संगठन की एकता एवं आपसी सहयोग से ही फोटोग्राफरों के हितों की रक्षा संभव है। कार्यक्रम में मोहनलाल, पारसमल, नरेंद्र, अब्दुल, रामभाई एवं पीर सिंह राव सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर जालोर जिला फोटोग्राफी एसोसिएशन के अध्यक्ष शिवलाल, जिला कोषाध्यक्ष बंसीलाल, जिला सदस्य हसन सांखला, जालोर संरक्षक मंगल भाई, जालोर फोटोग्राफी एसोसिएशन अध्यक्ष राजेंद्र कुमार, रानीवाड़ा अध्यक्ष मोहन, रानीवाड़ा सचिव मुकेश जोशी एवं मोहन माली अतिथि के रूप में शामिल हुए। अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के पश्चात सामूहिक भोज का आयोजन किया गया, जिसमें संगठन के सभी सदस्य एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

यूनेस्को एसोसिएशन और जवाहर फाउंडेशन का सांस्कृतिक कार्यक्रम व सम्मान समारोह 13 को

द अनकवर्ड अपडेट

भीलवाड़ा/केशव मिश्रा। प्रसिद्ध समाजसेवी एवं उद्योगपति तथा जवाहर फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष रिजु झुनझुनवाला के 47वें जन्मदिवस के अवसर पर जिला यूनेस्को एसोसिएशन, फूले सेवा संस्थान सहित विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में 13 जनवरी, मंगलवार को सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा।

जिला यूनेस्को एसोसिएशन की प्रवक्ता मधु लोढ़ा ने द अनकवर्ड अपडेट को बताया कि इस अवसर पर मंगलवार दोपहर 2 बजे से कार्यक्रमों की श्रृंखला प्रारंभ होगी। कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय ग़ज़ल गायक डॉ. दिपेश विश्नावत द्वारा शाम ए ग़ज़ल की प्रस्तुति दी जाएगी। इसके साथ ही रमा कथक संस्थान द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। समारोह के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रतिभाओं का सम्मान किया जाएगा। साथ ही सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने वाली मिसेज जया चौहान का भी विभिन्न संस्थाओं द्वारा नागरिक अभिनंदन किया जाएगा। कार्यक्रम के समापन पर जिला यूनेस्को एसोसिएशन एवं अन्य संस्थाओं के सहयोग से पोष बड़ा महोत्सव भी भव्य स्तर पर आयोजित किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार यह आयोजन सांस्कृतिक समरसता, सामाजिक सहभागिता और सम्मान की भावना को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल होगा।

एस पी के बंगले के बाहर से महिला का अपहरण करने के दो आरोपितों की कराई पैदल मौका तस्दीक

आरोपित हाथ जोड़ कर माफी मांगते हुए आए नज़र

द अनकवर्ड अपडेट

भीलवाड़ा/केशव मिश्रा। कोतवाली थाना पुलिस ने प्रेम विवाह कर भीलवाड़ा एस पी से सुरक्षा की गुहार लगाने आई युवती के अपहरण के मामले में गिरफ्तार दो आरोपित को पुलिस ने न्यायालय कर आरोपितों की पैदल ही मौका तस्दीक करवाई। यह कार्रवाई कोतवाली थानाधिकारी शिवराज गुर्जर के नेतृत्व में की गई। जानकारी के अनुसार कुछ दिन पहले कोतवाली थाना क्षेत्र में भीलवाड़ा जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय में प्रेम विवाह कर सुरक्षा की गुहार लगाने आई एक महिला का स्कॉर्पियो से आए कुछ लोगों ने भीलवाड़ा जिला पुलिस अधीक्षक के आवास के बाहर से अपहरण कर लिया था। इस दौरान भीलवाड़ा पुलिस अधीक्षक कार्यालय में कार्यरत ए एस आई प्रताप सिंह ने उक्त स्कॉर्पियो को रोकने का प्रयास किया तो आरोपितों द्वारा उन्हें कुचलने का प्रयास किया गया । पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए कुछ लोगों को गिरफ्तार किया इनमें से दो आरोपित लक्ष्मण जाट व सुरेश स्वामी को रविवार को न्यायालय में पेश कर दोनो आरोपितो की पैदल ही मौका तस्दीक करवाई मौका तस्दीक के दौरान एक आरोपित लंगड़ाते हुए चलता दिखाई दिया । पुलिस की त्वरित कार्यवाही के बाद दोनों आरोपित हाथ जोड़ते हुए माफी मांगते हुए नज़र आए। पुलिस ने न्यायालय के आदेश से दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया । पुलिस इस गंभीर घटना में शामिल अन्य आरोपितों का भी पता लगाने का प्रयास कर रही है।

भीलवाड़ा विधायक खेल विकास योजना के तहत फुटबॉल टूर्नामेंट 13 को छह केंद्रों की टीमें लेंगी भाग

नए खिलाड़ियों को भी मिलेगा अवसर

द अनकवर्ड अपडेट

भीलवाड़ा/केशव मिश्रा। भीलवाड़ा विधायक खेल विकास योजना के अंतर्गत खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक और सराहनीय पहल की जा रही है। योजना के तहत 13 जनवरी को दोपहर 1बजे से सायं 6 बजे तक गर्ल्स कॉलेज ग्राउंड में एक दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा। इससे पूर्व प्रताप नगर स्कूल मैदान पर आयोजित हॉकी प्रतियोगिता में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया था और खेल के अनेक गुर सीखे थे। उसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए अब फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। यह जानकारी देते हुए अजित जैन ने बताया की प्रतियोगिता में विधायक खेल विकास योजना के 6 केंद्रों की टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता की विशेषता यह रहेगी कि इसमें वे बच्चे भी हिस्सा ले सकेंगे जिन्हें फुटबॉल खेलने का पूर्व अनुभव नहीं है, जिससे अधिक से अधिक बच्चों को खेल से जुड़ने और सीखने का अवसर मिल सकेगा। टूर्नामेंट में विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी व मेडल प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। प्रतियोगिता में प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क रहेगा। विधायक खेल विकास योजना से जुड़े सभी कोचों से आग्रह किया कि वे 13 जनवरी को दोपहर 1 बजे तक अपनी-अपनी टीमों के साथ गर्ल्स कॉलेज ग्राउंड पर उपस्थित रहें। योजना से जुड़े सभी बच्चों की प्रतियोगिता में भागीदारी अनिवार्य रखी गई है। शिक्षाविद विवेक निमावत ने बताया कि इस प्रकार के आयोजनों का उद्देश्य बच्चों में खेल भावना, अनुशासन, आत्मविश्वास और टीमवर्क का विकास करना है।

शिव मंदिर पर अन्नकूट महोत्सव प्रसादी का किया गया आयोजन

द अनकवर्ड अपडेट

सूरौठ/टीकाराम शर्मा। गंगापुर भरतपुर मेगा हाइवे, बिरसा मुंडा मार्ग पर शिव मंदिर पर ग्रामीणों के द्वारा रविवार को अन्नकूट महोत्सव प्रसादी का आयोजन किया गया जिसमें सभी भक्तजन सुबह से ही प्रसादी कि तैयारियों में जुट गए जिसमे भक्तो ने जानकारी देते हुए बताया कि अन्नकूट प्रसादी कों तैयार कराने में रूपनारायण मीना , गजेन्द्र मीना, अमर अतर व श्री मीना, हरकेश मीना, गोलू , भविष्य सचिन राजीव मीणा नरेश मीना धर्मसिंह योगी, सहित सभी लोगों का विशेष सहयोग रहा,जिसमें प्रसादी तैयार हो जाने के बाद सर्वप्रथम शिव परिवार,हनुमान जी ठाकुर जी भगवान का भोग लगाने के बाद दोपहर बाद प्रसादी का वितरण किया गया लोगों ने श्रद्धा भाव के साथ जीमी कढी बाजरे कि प्रसादी।

कांग्रेस का मनरेगा की नीतियों मे बदलाव के खिलाफ, हल्ला बोल, उमड़ा जनसैलाब

हजारों पार्टी कार्यकर्ताओ ने रखा उपवास

द अनकवर्ड अपडेट

भीलवाड़ा/केशव मिश्रा। केंद्र सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम के नाम में परिवर्तन और इसकी नीतियों में किए गए बदलावों के विरोध में रविवार को भीलवाड़ा शहर कांग्रेस ने अपनी ताकत दिखाई। शहर कांग्रेस अध्यक्ष शिवराम खटीक के नेतृत्व में आयोजित इस 'उपवास कार्यक्रम' में जनसैलाब उमड़ पड़ा, जिसमें शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों लोग शामिल हुए।

ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में भरकर पहुंचे कार्यकर्ता

जिले भर से ग्रामीण, महिलाएं और पुरुष जीपों, ट्रैक्टरों और ट्रॉलियों में सवार होकर रैली के रूप में निकले। कांग्रेस कार्यकर्ताओं और आम जनता की यह विशाल रैली शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए भोपाल क्लब चौराहा पहुंची, जहां सभी ने एकजुट होकर उपवास रखा और सरकार के फैसलों के खिलाफ जमकर विरोध जताया। ग्रामीणों के हक पर कुठाराघात÷उपवास स्थल पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए शहर अध्यक्ष शिवराम खटीक ने केंद्र सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए। उन्होंने कहा की केंद्र सरकार द्वारा योजना का नाम बदलना फिर भी स्वीकार्य है, लेकिन इसकी मूल नीतियों में बदलाव करना ग्रामीण क्षेत्र के गरीब लोगों के हितों पर सीधा कुठाराघात है। मनरेगा ग्रामीणों की आजीविका का आधार है और इसके साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आंदोलन की चेतावनी कांग्रेस पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह उपवास तो केवल शुरुआत है। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक सरकार अपनी नीतियों में बदलाव की मांग को वापस नहीं लेती और ग्रामीणों के हितों की रक्षा सुनिश्चित नहीं करती, तब तक यह आंदोलन और भी उग्र रूप में जारी रहेगा।

वाहे वाहे गुरु गोबिंद आपे गुरु चेला

गुरुद्वारा बागोर साहिब में हर्षोल्लास के साथ मनाया 26वां प्रकाश पर्व, उदयपुर से 18, भीलवाड़ा से 30 यात्रियों के पैदल जत्थे ने बागोर साहिब पहुँच टेका मत्था

प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में एक महीने पूर्व से चल रहे गुरु के शबद कीर्तन भी रविवार शाम को हुए पूरे

द अनकवर्ड अपडेट

भीलवाड़ा/केशव मिश्रा। सेवा व सिमरन की पावन धरती गुरुद्वारा श्री कलगीधर बागोर साहिब में रविवार को दसवें पातशाह गुरु गोविंद सिंह जी का 359वां प्रकाश पर्व (जन्मोत्सव) को बड़े ही हर्षोउल्लास और धूमधाम के साथ लाखों सिक्ख संगत की मौजूदगी में मनाया गया ।

यह प्रकाश पर्व सिक्खो के दसवें गुरु गोविंद सिंह की अपनी दक्षिण यात्रा के दौरान 17 दिनों तक बागोर गढ़ में रुके थे। और इसी गढ़ में उन्होंने अनेकोनेक ऐतिहासिक निर्णय भी लिए थे । उनकी इसी याद में संत बाबा लक्खा सिंह जी आजमगढ़ (कोटा) वाले की अगुवाई में यहाँ धवल रंग का ऐतिहासिक गुरुद्वारा निर्मित करवाया गया था। जहाँ पिछले 25वर्षों से लगातार प्रकास पर्व मनाया जा रहा हैं। इसी कड़ी को अनवरत जारी रखते हुए हर वर्ष के जनवरी माह में पहले रविवार को यहां प्रकास पर्व बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता रहा हैं । इसी के चलते हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बागोर साहिब में रविवार को बड़े बाबा लक्खा सिंह व छौटें बाबा बलविंदर सिंह के सानिध्य में 26वां प्रकाश पर्व स्थानीय व देशभर से आई सिक्ख संगत द्वारा बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

गुरुद्वारा कमेटी के संयोजक सं. इन्द्रपाल सिंह सोनी ने बताया की बागोर साहिब में 26वें और गुरु गोविन्द सिंह के 359वें जन्मोत्सव (प्रकास पर्व) को मनाने के लिए प्रति वर्ष देश के विभिन्न क्षेत्रो से सिक्ख संगत बागोर साहिब में पहुँचती रही हैं। इसी क्रम में इस बार भी समूचे राजस्थान सहित देश के कई शहरों से ढाई हजार की संख्या में सिक्ख संगत बागोर साहिब पहुँची। जिन्होंने गुरुद्वारे में मत्था टेक कर कीर्तन के विशेष दिवान होकर इस 26वें प्रकाश पर्व को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया।

गुरुद्वारा कमेटी के संयोजक सं. इन्द्रपाल सिंह सोनी ने द अनकवर्ड अपडेट को बताया की यहाँ गुरुद्वारा साहिब में महीने भर से चल रहे श्री अखण्ड पाठ साहिब भी रविवार की शाम को पूरे हुए। निश्चल सोनी ने बताया कि इस 26वें प्रकाश पर्व के अवसर पर खालसा सेवा संस्थान की तरफ से आयोजित रक्तदान शिविर में रामस्नेही ब्लड बैंक भीलवाड़ा की टीम द्वारा 51 यूनिट रक्त भी संग्रहीत किया गया। वहीं पंजाब से ग्रंथी सुखबीर सिंह के साथ ही जगदीश सिंह, मिल्खा सिंह, सतबीर सिंह, सरबजीत सिंह, सूबेख सिंह ने रविवार को सिख संगत को निहाल किया। जबकि माघ माह की सर्दी के बीच चाय-कॉफी व गरमागरम पकौड़ो के साथ ही गुरु का अटूट लंगर प्रसादा भी दिनभर चलता रहा। प्रकाश पर्व मनाने को लेकर उदयपुर से 18 व भीलवाड़ा से 30 यात्रियों का जत्था पैदल चलकर बागोर साहिब पहुँचा। पदयात्रा संयोजक वीरेंद्र सिंह अरोड़ा ने बताया कि सिक्ख धर्म के दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का 26वां प्रकाश पर्व बागोर साहिब में बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इसी उपलक्ष्य में उदयपुर गुरुद्वारा दुःख निवारण श्री गुरु नानक दरबार, सेक्टर-14 से सिक्ख समाज उदयपुर के 18 नौजवानों का एक जत्था दिनांक 6 जनवरी मंगलवार को बागोर साहिब के लिए श्रद्धा एवं उत्साह के साथ पैदल यात्रा रवाना हुआ। जिसनें 160 किलोमीटर की दूरी को 5 दिवस में पूरी करते हुए शनिवार को बागोर साहिब पहुँच कर गुरु के दरबार मे मत्था टेका। इसी तरह निश्छल सोनी ने बताया कि 30 यात्रियों का एक जत्था रविवार रात्रि 2ः30 बजे भीलवाड़ा से पैदल निकला, जो रविवार दोपहर 12ः30 बजे बागोर साहिब पहुँचा। जिनमें छौटें बच्चे, महिलाएं एवं पुरूष भी शामिल थे। उधर उदयपुर यात्रा संयोजक वीरेंद्र सिंह अरोड़ा ने बताया कि यह यात्रा पिछले 16 वर्षों से निरन्तर आयोजित की जा रही हैं। वही इस बार पैदल यात्रियों के जत्थे में मंदीप सिंह सेठी, गुरप्रीत सिंह बग्गा, आशीष सिंह साहनी, हरनीत सिंह बक्शी, जसप्रीत सिंह अरोड़ा, देवनूर सिंह अरोड़ा, जसनूर सिंह अरोड़ा, मनप्रीत सिंह अरोड़ा, गुरवंश सिंह अरोड़ा, हर्ष टेकवानी, सिद्दक सिंह सेठी, हनी सिंह सेठी, जसकीरत सिंह संधर, प्रतीक सिंह खनूजा, निधान सिंह बोधराज, तनवीर सिंह काहलों, गुरविंदर सिंह जोगी, जसमीत सिंह अरोड़ा के साथ ही इनकी रास्ते की सेवा करने हेतु कार द्वारा सम्मिलित संगत में कमलजीत सिंह अरोड़ा, चरणजीत सिंह सेठी, चरणजीत कौर अरोड़ा भी शामिल हैं। जिन्होनें इस 16वीं पैदल यात्रा की सम्पूर्णता ऐतिहासिक गुरुद्वारा कलगीधर श्री बागोर साहिब में शनिवार को पहुँच कर की। वही संगत ने अपने गुरु के लिए ÷चरण शरण गुर एक पेण्डा जाए चल, सतगुरु कोट पेण्डा आगे होए लेत हैं÷ जैसे शब्दों के उच्चारण के साथ बागोर की तरफ आगे बढ़कर मत्था टेक प्रकाश उत्सव मनाया।

जगतगुरू रामानन्दाचार्य जन्मोत्सव पर त्रिवेणी में निकाली विशाल शोभायात्रा

अखाड़ा प्रदर्शन किया, समाज की प्रतिभाओं को किया सम्मानित

द अनकवर्ड अपडेट

भीलवाड़ा/केशव मिश्रा। जगतगुरू रामानन्दाचार्य जी महाराज के 726 वें जन्मोत्सव के उपलक्ष पर त्रिवेणी संगम पर वैष्णव बैरागी समाज के द्वारा आज रविवार को विशाल शोभायात्रा निकाली गई, त्रिवेणी संगम पर प्रतिभा सम्मान समारोह के साथ शोभायात्रा का समापन हुआ । निर्मल वैष्णव ने बताया कि समस्त वैष्णव बैरागी समाज मांडलगढ़ व बिजौलियां के द्वारा रविवार को अनन्त विभुषित जगतगुरू श्री रामानन्दाचार्य जी महाराज के 726 वें जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया । इस दौरान विशाल शोभायात्रा निकाली गई, शोभायात्रा प्रातः 11ः15 बजे से त्रिवेणी संगम से प्रारंभ हुई, शोभायात्रा में बैंड बाजा, मदसौरी ढ़ोल और घोड़े शामिल हुई । शोभायात्रा त्रिवेणी संगम से शुरू होकर पुराना बस स्टैंड, मुख्य बस स्टैंड से होते हुए वापस त्रिवेणी संगम पर पहुंची, जहा जगतगुरू रामानन्दाचार्य जी महाराज की महाआरती की, शोभायात्रा में जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया, शोभायात्रा में महिलाएं, बालिकाओं व बच्चों ने भक्तिमय भजनों पर झूमने लगे । शोभायात्रा में चारभुजानाथ, हनुमान जी महाराज, त्रिवेणी महादेव के जयकारों का जयघोष किया, शोभायात्रा में वेद विद्यालय के बच्चों व समाज के युवक व बालिकाओं ने अखाड़े का प्रदर्शन किया, जिससे देखकर लोग दांतों तले उंगलियां चबाने को मजबूर हो गए । शोभायात्रा में ऊपर माल, खेराड़, मेवाड़ अंचल से बड़ी संख्या में वैष्णव बैरागी समाज के महिला-पुरुष व युवक-युवतियां और बच्चें मौजूद रहे । शोभायात्रा के बाद प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया । सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि गोपाल खंडेलवाल विधायक मांडलगढ़ रहे । विशिष्ट अतिथि संजय डागी चेयरमैन, राजू बंजारा मंडल अध्यक्ष बिजोलिया, प्रकाश सांगावत मंडल अध्यक्ष नदराय, अशोक जीनगर मंडल अध्यक्ष मांडलगढ़, गोविंद आचार्य वेद विद्यालय के अध्यापक, गोपाल शर्मा, महेंद्र गुर्जर आदि का माला, दुपट्टा व साफा पहनाकर स्वागत किया गया । सम्मान समारोह में 51 छात्र छात्राओं सहित समाज की विभिन्न प्रतिभाओं का प्रशस्ति पत्र व मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया । विधायक गोपाल खंडेलवाल ने वैष्णव बैरागी समाज की सराय के लिए 11 लाख की घोषणा की। मंच का संचालन राजेश कुमार बैरागी ने किया।

राजस्थान मेडिकल एंड सेल्स रिप्रजेंटेटिव यूनियन का वार्षिक सम्मेलन हुआ सम्पन्न

द अनकवर्ड अपडेट

भीलवाड़ा/केशव मिश्रा। आज दिनांक 11 जनवरी रविवार को RMSRU भीलवाड़ा यूनिट का वार्षिक सम्मेलन RMSRU के स्टेट प्रेसिडेंट कॉमरेड राकेश जी गालव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ, जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन से डॉक्टर सुनील जी मित्तल रहे। यूनिट सेक्रेटरी कॉमरेड रामेश्वर लाल जाट ने अपनी वार्षिक सेक्रेटरी रिपोर्ट व कॉमरेड कपिल वर्मा ने अपनी ट्रेजरार रिपोर्ट पेश की जिसको सभी कॉमरेड्स साथियों ने सर्वसम्मति से पास किया। RMSRU के स्टेट प्रेसिडेंट कॉमरेड राकेश गालव ने सरकार द्वारा खत्म किए गए 29 श्रमिक कानूनों पर विस्तार से चर्चा की व आने वाली परेशानियों के प्रति सभी साथियों को मिलकर, एकजुट होकर सामना करने का आह्वान किया। केंद्र सरकार ने अभी हाल ही SPE एक्ट 1976 को खत्म कर देने पर सेल्स प्रमोशन एम्प्लॉईज की नोकरियों पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव पर चर्चा करी ।

IMA से डॉक्टर सुनील मित्तल ने मेडिकल रिप्रजेंटेटिव व डॉक्टर्स के आपसी सम्बंध पर उद्बोधन दिया। स्टेट वर्किंग कमेटी मेंबर कॉमरेड महावीर पांडे ने भीलवाड़ा यूनिट की आगामी गतिविधियों पर बात रखी। नई कार्यकारिणी में यूनिट सेक्रेटरी के लिए कॉमरेड कुलदीप सिंह कुलदीप सिंह व कोषाध्यक्ष के लिए कॉमरेड कपिल वर्मा को सर्वसम्मति से मनोनीत किया। वार्षिक सम्मेलन में सीनियर साथी कॉमरेड दिनेश जोशी, ललित शर्मा, रूपेश साहू, मुकेश शर्मा, राजेन्द्र पांडे, संदीप जेन, कार्तिक पुरोहित, दिनेश देवपुरा, अंकुर माहेश्वरी, गिरिराज मेघवाल, अरविंद गोयल सहित 125 से ज्यादा साथी उपस्थित थे।

भोरनायक कैलेंडर 2026 का पूर्व राजस्व मंत्री जाट ने किया सम्मान

द अनकवर्ड अपडेट

भीलवाड़ा/केशव मिश्रा। जिले में 1995 से लगातार प्रकाशित हो रहे भोर नायक समाचार पत्र के कैलेंडर 2026 का आज जिला कांग्रेस कार्यालय में पूर्व राजस्व मंत्री एवं कांग्रेस के जिलाध्यक्ष श्रीमान रामलाल जाट सहित नगर परिषद के पूर्व सभापति ओम नराणीवाल, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य एवं वरिष्ठ नेता चेतन डीडवानिया द्वारा हृदय से सम्मान किया गया । इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जिला उपाध्यक्ष दुर्गेश शर्मा , श्यामलाल गुर्जर उप प्रधान सुवाणा सहित सरपंच हरफूल जाट, उपभोक्ता अदालत के पूर्व सदस्य एडवोकेट ईश्वर खोईवाल, मांडल कांग्रेस के नेता आजाद मोहम्मद शेख, आसींद से इम्तियाज मोहम्मद शेख एवं पूर्व पार्षद सुरेश बम, गुडविन मसीह, एडवोकेट ओम जी, सुशील चपलोत, चंद्र प्रकाश अमरवाल, शिवराज सुराणा, सुरेश पारीक, भगत प्रजापत, मोहसिन मंसूरी, आशीष राजस्थला एवं अन्य विशिष्ट कांग्रेस जनों के साथ सुभाष नगर भाईचारा कमेटी के सदर नाहर खां कायमखानी, कोषाध्यक्ष फखरुद्दीन शेख, उस्मानिया कमेटी के नायब सदर मोहम्मद खां पठान विशेष रूप से उपस्थित थे। भोर नायक समाचार पत्र के प्रधान संपादक शहजाद खान ने सब का आभार प्रकट किया।

'भाजपा 2 साल में सिर्फ गहलोत सरकार के कामों का उद्घाटन कर रही है' नाम बदलने के अलावा 2 साल में कोई नहीं किया - विधायक डीसी बैरवा

द अनकवर्ड अपडेट

दौसा (विष्णु आशीर्वाद)। प्रदेश सरकार भले ही स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर बड़े-बड़े दावे कर रही हो, लेकिन विपक्ष ने इन दावों को पूरी तरह खोखला बताया है। दौसा में एक कार्यक्रम के दौरान मिडिया द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में पूछने पर दौसा विधायक दीनदयाल बैरवा ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा 2 साल की उपलब्धियों की तुलना कांग्रेस सरकार के 5 सालों से कर रही है, जबकि हकीकत यह है कि भाजपा सिर्फ पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के कामों का ही उद्घाटन कर रही है।विधायक बैरवा ने कहा कि दौसा सहित प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में आज हालात यह हैं कि मरीजों को फ्री दवाइयां तक नहीं मिल पा रही हैं। एसएमएस अस्पताल पर दबाव कम करने के लिए गहलोत सरकार ने जयपुर में चारङ्कपांच बड़े अस्पतालों का निर्माण कराया था, लेकिन भाजपा सरकार ने शिवदासपुरा, सांगानेर, आगरा रोड सहित कई अस्पतालों के कार्य रोक दिए।उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार में मिलने वाला 25 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा भी बंद कर दिया गया है। भाजपा सरकार ने दो साल में नाम बदलने के अलावा कोई ठोस काम नहीं किया, जिसे जनता के सामने उपलब्धि के रूप में गिनाया जा सके।

संपादकीय | किराया बढ़ा, शिकायतें भी बढ़ीं...

भारत में रेल सेवा आर्थिक विकास के साथ-साथ आम लोगों के सफर को आसान और सुगम बनाने की जीवन रेखा मानी जाती है। लंबी यात्रा के लिए रेलगाड़ियां ही एकमात्र किफायती साधन हैं। देश में रेल नेटवर्क के विस्तार और आधुनिकीकरण को लेकर एक तरफ सरकार की ओर से नई-नई घोषणाएं और दावे किए जाते हैं, तो दूसरी ओर रेलगाड़ियों में मूलभूत सुविधाओं का अभाव जस का तस बना हुआ है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि रेलगाड़ियों में साफ-सफाई की माकूल व्यवस्था न होने की शिकायतें लगातार बढ़ रही हैं।

रेल मदद पोर्टल पर दर्ज इस तरह की शिकायतों में सितंबर 2025 की तुलना में अक्तूबर और नवंबर में लगभग पचास फीसद की वृद्धि देखी गई है। इससे स्पष्ट है कि व्यवस्थागत खामियों और सरकारी अमले में विभिन्न स्तर पर लापरवाही की वजह से यात्रियों को सफर के दौरान कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। जबकि रेल किराए में सरकार जब चाहे बढ़ोतरी कर देती है। सवाल है कि किराए में वृद्धि के साथ क्या सुविधाओं में भी सुधार नहीं होना चाहिए? जब मौजूदा सुविधाएं ही बेहाल हों, तो ऐसे में आधुनिकीकरण के दावों का क्या औचित्य रह जाता है।

गौरतलब है कि कैग की वर्ष 2018-19 से वर्ष 2022-23 की एक रपट में भी लंबी दूरी की रेलगाड़ियों में साफ-सफाई की व्यवस्था पर सवाल उठाए गए थे। इसमें कहा गया था कि इस व्यवस्थागत खामी के लिए संबंधित अधिकारियों की लापरवाही भी जिम्मेदार है। इसके अलावा साफ-सफाई से जुड़े रेल कर्मियों का अभाव और

इस कार्य के लिए साजो-सामन की कमी की ओर भी इशारा किया गया था। हालांकि रेलवे ने कुछ खास स्टेशनों पर रेलगाड़ियों के शौचालय, दरवाजे और कुछ अन्य हिस्सों की सफाई मशीनों से करने की योजना लागू की है, इसके बावजूद व्यवस्था में अपेक्षाजनक सुधार नजर नहीं आता है। रेलवे मंत्रालय की ओर से साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, रेल मदद पोर्टल पर सितंबर 2025 में चादर और कंबल से संबंधित 8,758 शिकायतें मिली थीं, जो अक्तूबर में बढ़ कर 13,406 और नवंबर में 13,196 हो गईं। इसी तरह डिब्बों की स्वच्छता से जुड़ी शिकायतें सितंबर 2025 में 24,758 थीं, जो अक्तूबर में बढ़ कर 33,804 और नवंबर में 36,673 हो गईं।

हाल में सरकार ने लंबी दूरी की रेल सेवाओं का किराया बढ़ाने की घोषणा की थी। हालांकि यह वृद्धि देखने में मामूली लगती है, लेकिन देश भर में प्रतिदिन रेल में सफर करने वाले यात्रियों की संख्या की लिहाज से देखें, तो सरकार को हर साल इससे करोड़ों रुपए की कमाई होगी। ऐसे में सवाल है कि क्या सरकार का लक्ष्य सिर्फ राजस्व अर्जित करना ही है? अगर ऐसा नहीं है, तो यात्रियों की सुविधाओं पर ध्यान क्यों नहीं दिया जा रहा है।

रेल मदद पोर्टल पर बढ़ती शिकायतों के मद्देनजर मंत्रालय ने हाल में सभी मंडलों के अधिकारियों को पत्र भेज कर व्यवस्था में सुधार करने के निर्देश दिए हैं, लेकिन इन निर्देशों पर कड़ाई से अमल होगा या फिर महज खानापूर्ति का ही प्रयास किया जाएगा, इसको लेकर अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। यह सवाल इसलिए अहम है, क्योंकि जब तक रेलगाड़ियों में साफ-सफाई और अन्य सुविधाओं को लेकर व्यापक निगरानी तंत्र विकसित नहीं किया जाएगा, तब तक समस्या के स्थायी समाधान की उम्मीद करना व्यर्थ है।

कोलकाता में ईडी-सीएम ममता बनर्जी टकराव

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई में निष्पक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता को लेकर अक्सर सवाल उठते रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों से यह जांच एजंसी विपक्षी दलों के निशाने पर है। सर्वोच्च अदालत भी ईडी की कार्यप्रणाली पर असंतोष जाहिर कर चुकी है। मगर गुरुवार को पश्चिम बंगाल के कोलकाता में जो घटना हुई, उसमें न केवल ईडी, बल्कि राज्य सरकार भी सवालों के घेरे में है। केंद्रीय एजंसी की ओर से एक राजनीतिक परामर्श फर्म के दफ्तर पर छापे के दौरान खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का वहां पहुंचकर हस्तक्षेप करना निस्संदेह कई सवाल खड़े करता है। इस घटना को लेकर ईडी और मुख्यमंत्री के अपने-अपने तर्क हैं, लेकिन इस बात पर भी गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि आखिर इस तरह की स्थिति क्यों उत्पन्न हुई। केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा जहां जांच एजंसी की इस कार्रवाई को कानून के दायरे में बता रही है, वहीं तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि यह सब राजनीति से प्रेरित है। दरअसल, विपक्षी दल लंबे समय से यह आरोप लगाते रहे हैं कि केंद्र सरकार राजनीतिक प्रतिशोध की भावना से केंद्रीय जांच एजंसियों का दुरुपयोग करती है। खासकर ईडी की कार्यप्रणाली को लेकर कई तरह के सवाल उठाए जाते रहे हैं। ऐसे में जांच एजंसी का भी यह कर्तव्य है कि वह खुद पर लगे आरोपों का विश्लेषण करे और ऐसे हालात पैदा न होने दे कि उसकी किसी कार्रवाई पर सवाल उठे। कोलकाता में छापे के बाद दोनों पक्षों के बीच जिस तरह से आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हुआ, वह लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। तृणमूल कांग्रेस ने ईडी की इस कार्रवाई के खिलाफ कलकत्ता उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है। तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि ईडी के छापे में पार्टी से जुड़े दस्तावेज के साथ विधानसभा चुनाव में उम्मीदवारों की सूची जब्त कर ली गई। मगर, इस बात पर भी गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि क्या कोई मुख्यमंत्री या मंत्री किसी केंद्रीय जांच एजंसी की कार्रवाई में इस तरह सीधे हस्तक्षेप कर सकता है? इस तरह के टकराव से बचने के रास्ते तलाशने होंगे।

आज का कार्टून

देश की खेती महिलाओं के भरोसे है...

भारत में पुरुषों के शहरों की ओर बढ़ते पलायन से खेती की जिम्मेदारी तेजी से महिलाओं पर आ रही है, पर इस जिम्मेदारी के साथ उन्हें अधिकार और संसाधन नहीं मिल पाए हैं। यही असंतुलन भविष्य के लिए चुनौती बनता जा रहा है। हालांकि, सरकारी स्तर पर कई तरह की पहल शुरू की गई हैं, जिनमें महिला किसान सशक्तीकरण परियोजना, कृषि मशीनीकरण से जुड़ी योजनाएं, स्वयं सहायता समूहों को बढ़ावा और ग्रामीण महिला उद्यमिता कार्यक्रम शामिल हैं। ये कार्यक्रम दिशा तो दिखाते हैं, पर इनका असर तभी होगा, जब शिक्षा और नेतृत्व को केंद्र में रखा जाएगा। जलवायु परिवर्तन ने कृषि की चुनौतियों को और भी गंभीर बना दिया है। सूखा, बाढ़ और अनिश्चित मौसम का सबसे गहरा असर महिला किसानों पर पड़ता है। इसलिए जलवायु-अनुकूल खेती, फसल विविधता और बाजार से सीधा जुड़ाव उनके लिए विकल्प नहीं, आवश्यकता बन चुके हैं।

सोनम लववंशी

देश में खेती-बागवानी में महिलाओं की भूमिका अहम है। फसलों की बुआई से लेकर कटाई तक और मौसम की आहट को समझने का महिलाओं का अनुभव, ये सब मिलकर भारतीय कृषि को आगे बढ़ाता है। मगर विडंबना यह है कि जब खेती के ज्ञान-विज्ञान और नीति की बात आती है, तब महिला की मौजूदगी कमजोर पड़ जाती है। खेत में सबसे अधिक श्रम देने वाली महिला, कृषि-विज्ञान और निर्णय प्रक्रिया में हाशिये पर चली जाती है। यही भारतीय कृषि की सबसे गहरी और अनदेखी असमानता है।

देश में कृषि कार्यबल का बड़ा हिस्सा महिलाओं का है। ग्रामीण भारत में अधिकांश महिलाएं किसी न किसी रूप में खेती से जुड़ी हैं। वे फसल बोती हैं, उनकी देखरेख करती है, फसल काटती हैं, पशु संभालती हैं, बीज सहेजती हैं, अनाज सुखाती हैं और खाद्य प्रसंस्करण करती हैं। इसके बावजूद उनका योगदान सिर्फ श्रम के खाते में दर्ज होता है, ज्ञान के खाते में नहीं। कृषि ऋण, बीमा, तकनीक और बाजार तक भी महिलाओं की पहुंच सीमित रहती है। कृषि से जुड़े फैसले अब भी पुरुष प्रधान ढांचों में लिए जाते हैं। यही कारण है कि कृषि-विज्ञान, शोध और नवाचार के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी अपेक्षा से बहुत कम दिखाई देती है।

कृषि विश्वविद्यालयों में नामांकन के आंकड़े पहली नजर में आश्वस्त करते हैं। स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर छात्राओं की संख्या लगभग बराबरी पर पहुंच चुकी है। मगर यह समानता सतही है। डिग्री हासिल करने के बाद शोध संस्थानों, विस्तार सेवाओं, कृषि प्रौद्योगिकी कंपनियों और नीति निर्माण से जुड़े मंचों पर महिलाओं की उपस्थिति तेजी से घट जाती है। कई बार पारिवारिक जिम्मेदारियां, आर्थिक दबाव और सामाजिक अपेक्षाएं उनके रास्ते रोक लेती हैं। नतीजा यह होता है कि खेत में काम करने वाली महिलाओं की वास्तविक जरूरतें शोध का हिस्सा नहीं बन पातीं।

उनके शरीर के अनुकूल औजार, उनके समय को समझने वाली तकनीक और उनके स्वास्थ्य को ध्यान में रखने वाले नवाचार विकसित नहीं हो पाते। इतना ही नहीं, ग्रामीण महिला किसान का जीवन केवल खेत तक सीमित नहीं रहता। पानी भरना, ईंधन जुटाना, भोजन पकाना, बच्चों और बुजुर्गों की देखभाल, पशुओं की जिम्मेदारी इन सबका भार उनकी दिनचर्या में जुड़ा रहता है। यह दोहरा बोझ उनके सीखने और आगे बढ़ने के अवसरों को सीमित कर देता है।

लगातार झुकी हुई मुद्रा में काम करने से होने वाले स्वास्थ्य प्रभाव, थकान और समय की कमी को कृषि नीति तथा विज्ञान की बहसों में अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। ऐसे में जब विज्ञान जीवन से कट जाता है, तब उसका लाभ भी सीमित रह जाता है। ग्रामीण महिलाओं के पास पारंपरिक कृषि ज्ञान की अपार संपदा है। मौसम के संकेत, मिट्टी की प्रकृति, बीजों की गुणवत्ता, फसलों की विविधता यह सब अनुभव से अर्जित विज्ञान है।

यदि इस ज्ञान को औपचारिक शिक्षा और आधुनिक शोध से जोड़ा जाए, तो कृषि नवाचार अधिक व्यावहारिक, मानवीय और टिकाऊ बन सकता है। इसलिए कृषि-विज्ञान में महिलाओं की भागीदारी किसी

सामाजिक संवेदना का प्रश्न नहीं, बल्कि कृषि की गुणवत्ता और भविष्य से जुड़ा रणनीतिक मुद्दा है। कर्नाटक के कोलार की एक युवती इसका सशक्त उदाहरण है। छोटे किसान परिवार से ताल्लुक रखने वाली इस युवती ने फसल की कटाई के बाद होने वाले नुकसान को खेत में खड़े होकर महसूस किया। वही अनुभव उनके शोध की दिशा बना।

अब वह आम उत्पादकों के लिए ऐसी तकनीक पर काम कर रही हैं, जिससे फसल नुकसान कम हो और आय बढ़े। यह शोध प्रयोगशाला की कल्पना नहीं, बल्कि खेत की वास्तविक जरूरत से निकला समाधान है। ऐसे ही देश भर में और भी कई युवतियां शोध तथा खेत के बीच की दूरी कम करने के लिए प्रयासरत हैं।

स्नातक और स्नातकोत्तर की पढ़ाई करने के बाद कई युवतियां कृषि में शोध और नवाचार के कार्यों से जुड़ना चाहती हैं, लेकिन आर्थिक और सामाजिक बाधाएं उनका रास्ता रोक देती हैं। सीमित आय के कारण उच्च शिक्षा उनके लिए दूर का सपना बन जाती है। प्रवेश शुल्क, छात्रावास और पाठ्यक्रम से जुड़ी लागत उनके सामने बड़ी बाधा बन जाती है।

फसल विविधता और सतत खेती के माध्यम से ग्रामीण जीवन को अधिक सुरक्षित एवं टिकाऊ बनाने के लिए खेती में महिलाओं के अनुभव को शोध एवं नवाचार से जोड़े जाना बेहद जरूरी है। कोर्टेवा एग्रीसाइंस, दक्षिण एशिया के अध्यक्ष सुब्रत गीड के अनुसार, भारत में किसान परिवारों की अनेक बेटियों को उच्च शिक्षा इसलिए छोड़नी पड़ती है, क्योंकि शुल्क, छात्रावास और पुस्तकों का खर्च उनकी आर्थिक क्षमता से बाहर होते हैं।

ऐसे में मेधा-आधारित छात्रवृत्तियों का विस्तार, महिला विद्यार्थियों के लिए अवसर बढ़ाना और समुदाय-आधारित प्रशिक्षण को शिक्षा से जोड़ना इस प्रतिभा-शृंखला को बनाए रखने में मदद करता है। जब कृषि में काम करने वाली महिलाओं को ज्ञान, कौशल और अवसर मिलते हैं, तब उसका लाभ कुछ लोगों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरा कृषि समुदाय मजबूत होता है। यानी सही समय पर मिला सहयोग प्रतिभा को टूटने से बचा सकता है।

इसी संदर्भ में कृषि क्षेत्र में महिलाओं के लिए चलाए जा रहे छात्रवृत्ति कार्यक्रमों का महत्त्व समझा जाना चाहिए। इनका उद्देश्य केवल शुल्क भरना नहीं, बल्कि छात्राओं को अवसर देना, शोध और नवाचार में उनकी निरंतर उपस्थिति सुनिश्चित करना तथा कृषि-विज्ञान में उनका नेतृत्व विकसित करना है।

ऐसी पहल यह संदेश देती हैं कि ग्रामीण पृष्ठभूमि की बेटियां भी प्रयोगशालाओं, शोध संस्थानों और नीति मंचों तक पहुंच सकती हैं। संयुक्त राष्ट्र की ओर से वर्ष 2026 को 'अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष' घोषित किया जाना इसी दिशा में वैश्विक स्वीकारोक्ति है। इस घोषणा से पता चलता है कि महिलाएं केवल कृषि की लाभार्थी नहीं हैं, बल्कि खाद्य सुरक्षा, ग्रामीण समृद्धि और जलवायु अनुकूलन की वाहक भी हैं।

भारत में पुरुषों के शहरों की ओर बढ़ते पलायन से खेती की जिम्मेदारी तेजी से महिलाओं पर आ रही है, पर इस जिम्मेदारी के साथ उन्हें अधिकार और संसाधन नहीं मिल पाए हैं। यही असंतुलन भविष्य के लिए चुनौती बनता जा रहा है। हालांकि, सरकारी स्तर पर कई तरह की पहल शुरू की गई हैं, जिनमें महिला किसान सशक्तीकरण परियोजना, कृषि मशीनीकरण से जुड़ी योजनाएं, स्वयं सहायता समूहों को बढ़ावा और ग्रामीण महिला उद्यमिता कार्यक्रम शामिल हैं।

ये कार्यक्रम दिशा तो दिखाते हैं, पर इनका असर तभी होगा, जब शिक्षा और नेतृत्व को केंद्र में रखा जाएगा। जलवायु परिवर्तन ने कृषि की चुनौतियों को और भी गंभीर बना दिया है। सूखा, बाढ़ और अनिश्चित मौसम का सबसे गहरा असर महिला किसानों पर पड़ता है। इसलिए जलवायु-अनुकूल खेती, फसल विविधता और बाजार से सीधा जुड़ाव उनके लिए विकल्प नहीं, आवश्यकता बन चुके हैं।

किसान दिवस जैसे अवसर केवल औपचारिक आयोजन तक सीमित नहीं रहने चाहिए। कृषि में महिलाओं की शिक्षा पर किया गया निवेश पूरे ग्रामीण समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकता है। जब खेत की मिट्टी से निकली बेटी प्रयोगशाला में खड़ी होती है, तब विज्ञान को असल जमीन मिलती है। यही जमीन देश की कृषि को अधिक संवेदनशील, टिकाऊ और सुरक्षित भविष्य की ओर ले जा सकती है।

दौसा में गरजे उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा

पूर्व मंत्री महेंद्रजीत सिंह मालवीय के कांग्रेस में वापसी पर कहा भाजपा एक संस्कार और सिद्धांतवादी पार्टी है जो राष्ट्र को सर्वोपरि मानकर काम करती है

द अनकवर्ड अपडेट

दौसा (विष्णु आशीर्वाद)। उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा शुक्रवार को बैरवा समाज के प्रतिभा सम्मान समारोह में शामिल होने दौसा पहुंचे। कार्यक्रम में समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं और समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित करने के बाद उपमुख्यमंत्री, अपने रिश्तेदार एवं दौसा विधायक डीसी बैरवा के निवास स्थान पहुंचे, जहां उन्होंने मीडिया से बातचीत की।इस दौरान पूर्व मंत्री महेंद्रजीत सिंह मालवीय के कांग्रेस में वापसी को लेकर पूछे गए सवाल पर उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि जब उन्होंने भाजपा जॉइन की थी, तब पार्टी ने पूरे सम्मान के साथ उनका स्वागत किया था। भाजपा एक संस्कार और सिद्धांतवादी पार्टी है, जो राष्ट्र को सर्वोपरि मानकर काम करती है। जो लोग सिद्धांतों और सेवा भावना के साथ काम करते हैं, उन्हें समाज में दायित्व भी मिलता है।मनरेगा का नाम बदलकर वीबीजी रामजी किए जाने और कांग्रेस के आरोपों पर पलटवार करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मनरेगा का नाम पहली बार नहीं बदला गया। पहले यह जवाहर रोजगार गारंटी योजना थी, बाद में महात्मा गांधी का नाम जोड़ा गया। नाम बदलने के साथ-साथ योजना में सकारात्मक सुधार किए गए हैं।उन्होंने बताया कि अब योजना के तहत 100 की बजाय 125 दिन का रोजगार, स्थायी निर्माण कार्यों और मजबूत प्रावधानों को शामिल किया गया है, जिससे आमजन को अधिक लाभ मिलेगा।यूपी के कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवाड़ी को लेकर दिये बयान पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में योगी सरकार के कार्यों से जनता को राहत मिली है, विकास बढ़ा है और शांति-सद्भाव का माहौल बना है, इसी कारण वहां की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के साथ मजबूती से खड़ी है।कांग्रेस द्वारा मनरेगा नाम परिवर्तन के विरोध में आंदोलन की घोषणा पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस की राजनीति विरोध की है, जबकि भाजपा की सोच अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास और रोजगार पहुंचाने की है। विकसित भारत-2047 के सपने को साकार करने के लिए प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हर वर्ग को मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है।

125 दिन रोजगार की गारंटी, कांग्रेस का आंदोलन निरर्थक,नाम नहीं, काम मायने रखता है – डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा

द अनकवर्ड अपडेट

दौसा (विष्णु आशीर्वाद)। राजस्थान के उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने दौसा दौरे के दौरान कांग्रेस पर मनरेगा को लेकर बड़ा राजनीतिक हमला बोला। बैरवा समाज शिक्षा एवं सामाजिक विकास समिति के कार्यक्रम में प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित करने पहुंचे डिप्टी सीएम ने साफ कहा कि नाम बदलने की परंपरा कांग्रेस की ही देन रही है, भाजपा ने कोई नई परंपरा नहीं शुरू की है।मीडिया से बातचीत में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जवाहर रोजगार गारंटी योजना को महात्मा गांधी नरेगा नाम कांग्रेस सरकार ने ही दिया था। उन्होंने दो टूक कहा कि नाम से नहीं, काम से जनता को फायदा मिलता है।डिप्टी सीएम ने बताया कि सरकार की नई वीबीजी रामजी योजना के तहत अब पहले के 100 दिन के बजाय 125 दिन का रोजगार देने की गारंटी दी जा रही है। साथ ही योजना में स्थायी रोजगार के मजबूत प्रावधान किए गए हैं, जिससे ग्रामीणों को लंबे समय तक आर्थिक संबल मिलेगा।कांग्रेस के विरोध और आंदोलनों को निरर्थक बताते हुए प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि राम का नाम लेने में कोई बुराई नहीं है। पहले योजना पंडित नेहरू के नाम पर थी, बाद में महात्मा गांधी के नाम से जानी गई और अब नाम बदला गया है। नाम बदलना कोई नया विषय नहीं, यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है।कार्यक्रम में डिप्टी सीएम ने समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए कहा कि शिक्षा ही सामाजिक और आर्थिक विकास की सबसे बड़ी ताकत है और सरकार हर वर्ग के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। बैरवा ने स्पष्ट किया कि सरकार का उद्देश्य राजनीति नहीं, बल्कि जनता को अधिक रोजगार और स्थायित्व देना है।कार्यक्रम में दौसा विधायक दीनदयाल बैरवा , सिकराय विधायक विक्रम बंसीवाल, दौसा की पूर्व विधायक नंदलाल बंसीवाल आईएएस ओमप्रकाश बैरवा सहित समाज के बड़ी संख्या में गणमान्य लोग व छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

वीबीजी रामजी- के विरोध में कांग्रेस ने शहीद स्मारक पर 3 घंटे का किया उपवास

सांसद मुरारी लाल मीणा का आरोप– मनरेगा का नाम बदलकर योजना को कमजोर करने की साजिश

द अनकवर्ड अपडेट

दौसा (विष्णु आशीर्वाद)। दौसा जिला मुख्यालय पर शहीद स्मारक में कांग्रेस द्वारा मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत उपवास रखकर भाजपा सरकार के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम में जिलेभर के कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।उपवास कार्यक्रम के दौरान दौसा सांसद मुरारी लाल मीणा ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने मनरेगा का नाम बदलकर ÷वीबीजी रामजी ङ्क विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन÷ कर दिया है और उसमें ऐसे प्रावधान जोड़ दिए हैं, जिससे योजना लगभग निष्प्रभावी हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले मनरेगा में केंद्र सरकार 100 प्रतिशत भुगतान करती थी, लेकिन अब इसे 60ः40 (केंद्र-राज्य) कर दिया गया है, जबकि राज्य सरकार के पास इस योजना के लिए पर्याप्त बजट तक नहीं है।सांसद मीणा ने कहा कि यूपीए सरकार के कार्यकाल में मनरेगा का काम ग्राम पंचायत स्तर पर होता था, जिसे अब छीनकर केंद्रीकृत कर दिया गया है। भाजपा सरकार की नीतियों के कारण गांवों के गरीब, किसान और मजदूरों पर इसका सीधा नकारात्मक असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि मनरेगा योजना पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह और कांग्रेस नेता सोनिया गांधी द्वारा ग्रामीण मजदूरों के लिए लाई गई थी, जो उनकी 'आत्मा' जैसी योजना थी, जिसे भाजपा सरकार खत्म करने पर तुली है।वहीं कांग्रेस जिला अध्यक्ष रामजीलाल ओढ़नी ने कहा कि मनरेगा ग्रामीण गरीबों के लिए रोजगार की गारंटी देने वाली योजना थी, लेकिन भाजपा सरकार ने एक्ट को कमजोर कर नई योजना लागू कर दी है, जिसमें रोजगार की कोई गारंटी नहीं है। कांग्रेस ने मांग की कि मनरेगा को पुराने स्वरूप में बहाल किया जाए और न्यूनतम मजदूरी 400 प्रतिदिन की जाए।कांग्रेस ने चेतावनी दी कि यदि मांगें नहीं मानी गई तो आने वाले एक से डेढ़ महीने तक आंदोलन और तेज किया जाएगा।पूर्व मंत्री प्रसादी लाल मीणा ने कहा कि ÷मनरेगा कांग्रेस सरकार की ऐतिहासिक देन है। भाजपा सरकार इसे बोझ समझती है, जबकि यह करोड़ों ग्रामीण परिवारों की रोजी-रोटी का आधार है। भाजपा की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ कांग्रेस सड़क पर उतरी है।÷पूर्व कैबिनेट मंत्री ममता भूपेश जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि ÷भाजपा सरकार की नीतियों ने ग्रामीण भारत की कमर तोड़ दी है। मनरेगा जैसी योजना को कमजोर करना सीधे तौर पर गरीब, मजदूर और महिलाओं के हक पर हमला है। कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए मनरेगा को सशक्त बनाया और आगे भी इसके संरक्षण एवं विस्तार के लिए संघर्ष करती रहेगी। भाजपा की मंशा गरीबों को आत्मनिर्भर नहीं, बल्कि मजबूर बनाने की है।÷दौसा विधायक डी.सी. बेरवा ने कहा कि ÷भाजपा सरकार के शासन में बेरोजगारी चरम पर है। मनरेगा को कमजोर करना गरीबों पर सीधा हमला है। कांग्रेस सरकार बनने पर मनरेगा को और मजबूत किया जाएगा।÷वहीं बांदीकुई के पूर्व विधायक जी.आर. खटाना ने कहा कि ÷ग्रामीण क्षेत्रों में भाजपा सरकार की नीतियों से भारी आक्रोश है। मनरेगा मजदूरों को समय पर मजदूरी नहीं मिल रही है, यह अन्याय है। कांग्रेस इस अन्याय के खिलाफ लगातार आवाज उठाती रहेगी।÷कार्यक्रम में जिला प्रमुख हीरालाल सैनी, नगर अध्यक्ष घनश्याम शर्मा, खेमराज मीणा, उमाशंकर बनियाना, जयंत कुमार, महेश डोलिका, सियाराम सत्तावन, मानसिंह, जगदीश प्रसाद मीना, फूलचंद मीना, अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष फराज अहमद,रहीस इरावत, सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वायरल वीडियो पर कोलवा थानाधिकारी का बयान वीडियो को कट-पेस्ट कर पुलिस की छवि खराब करने की कोशिश, दौसा में एसपी ने भी मामले को लेकर की प्रेसवार्ता

द अनकवर्ड अपडेट

दौसा (विष्णु आशीर्वाद)। बजरी माफिया से जुड़े एक वायरल वीडियो को लेकर कोलवा थानाधिकारी रामशरण गुर्जर का बड़ा बयान सामने आया है।थानाधिकारी ने स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया पर वायरल किया जा रहा वीडियो एडिटेड और भ्रामक है, जिसे जानबूझकर पुलिस की छवि धूमिल करने के उद्देश्य से फैलाया जा रहा है।रामशरण गुर्जर ने बताया कि 9 जनवरी 2026 को राज्य सरकार के निर्देशों के तहत अवैध खनन माफियाओं के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान बसवा थाना क्षेत्र से बजरी से भरे ट्रैक्टर निकलने की सूचना मिली। बसवा थानाधिकारी द्वारा ट्रैक्टरों को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन माफियाओं ने पुलिस को कुचलने का प्रयास करते हुए ट्रैक्टर भगाए और एक ढाणी में घुस गए।थानाधिकारी ने बताया कि इस दौरान ट्रैक्टर दीवार तोड़कर अंदर घुस गया, जिससे तीन बकरियों की मौके पर मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर करीब 250 से 300 लोगों की भीड़ जमा हो गई और कानून व्यवस्था बिगड़ने की आशंका उत्पन्न हो गई।उन्होंने बताया कि डिप्टी एसपी के निर्देश पर वे जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे, जहां अलवर जिले के टहला व राजगढ़ थाना पुलिस सहित डिप्टी एसपी स्वयं मौजूद थे। मौके पर उन्होंने भीड़ को समझाने का प्रयास किया और शांति बनाए रखने की अपील की।रामशरण गुर्जर ने साफ किया कि उन्होंने किसी भी मीडिया चैनल को कोई बाइट नहीं दी। वायरल वीडियो किसी व्यक्ति द्वारा भीड़ के बीच से मोबाइल से रिकॉर्ड किया गया, जिसे बाद में काट-छांट कर गलत संदर्भ में वायरल किया गया।थानाधिकारी ने कहा कि बजरी माफियाओं के हौसले बुलंद हैं, लेकिन उन्हें किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने दो टूक कहा कि माफियाओं को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा और उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।मौके पर मौजूद लोगों द्वारा मुआवजे की मांग किए जाने पर पुलिस ने उन्हें न्यायोचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। बाद में ट्रैक्टर को जब्त कर बसवा थाने में खड़ा करवाया गया।अपने लंबे सेवाकाल का उल्लेख करते हुए रामशरण गुर्जर ने कहा,÷मेरी उम्र 58 वर्ष हो चुकी है। पुलिस महकमे में अपने पूरे कार्यकाल में मैंने कभी पुलिस की छवि खराब नहीं होने दी और न ही होने दूंगा।÷उन्होंने बताया कि हाल ही में बजरी माफिया के खिलाफ 7 बड़ी कार्रवाइयां की जा चुकी हैं और जब तक वे पद पर हैं, माफियाओं के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। थानाधिकारी ने कहा कि कुछ असामाजिक तत्व वीडियो को घुमा-फिरा कर पेश कर रहे हैं, लेकिन पुलिस की कार्रवाई पूरी तरह पारदर्शी और कानूनसम्मत है।बजरी माफिया और कोलवा एसएचओ के बयान मामले में एसपी सागर राणा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर स्थिति साफ की।एसपी सागर राणा ने कहा कि दौसा पुलिस अवैध खनन माफियाओं के खिलाफ पूरी मजबूती से कार्रवाई कर रही है। उन्होंने बताया कि पिछले पूरे वर्ष में हुई कुल कार्रवाई का करीब 40 प्रतिशत हिस्सा सिर्फ 29 जनवरी से अब तक 15 दिनों में हुआ है।कोलवा थानाधिकारी रामशरण गुर्जर के बयान को लेकर एसपी ने कहा कि एसएचओ ने किस मानसिक स्थिति में यह बयान दिया, इस संबंध में उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया है। वायरल वीडियो पर पुलिस गहन विश्लेषण कर रही है।एसपी ने स्पष्ट किया कि दौसा जिले के हर थाना क्षेत्र में विशेष टीमें सक्रिय हैं, जो अवैध खनन माफियाओं की कमर तोड़ने के लिए लगातार कार्रवाई कर रही हैं।

डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा का विधायक निवास पर डीसी बैरवा ने जय श्री राम का दुपट्टा पहनाया तो डिप्टी सीएम बोले जीरामजी

द अनकवर्ड अपडेट

दौसा (विष्णु आशीर्वाद)। दौसा की राजनीति उस समय सुर्खियों में आ गई जब कांग्रेस विधायक डीसी बैरवा के निवास पर उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा और भाजपा विधायक विक्रम बंशीवाल के पहुंचने का वीडियो सामने आया। कांग्रेसङ्कभाजपा के बीच चल रही सियासी खींचतान के बीच इस मुलाकात को लेकर जिलेभर में चर्चा तेज हो गई है। जानकारी के अनुसार उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेने दौसा आए थे। इसी दौरान वे विधायक डीसी बैरवा के आवास पहुंचे, जहां डीसी बैरवा ने उनका स्वागत किया और जय श्रीराम का दुपट्टा पहनाया। संयोग से एक दिन पूर्व विधायक डीसी बैरवा का जन्मदिन भी बताया जा रहा है।इस मुलाकात का वीडियो सामने आते ही राजनीतिक हलकों में तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। हालांकि कांग्रेस विधायक डीसी बैरवा ने इन अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा से उनके पारिवारिक संबंध हैं मेरे रिश्तेदार भी है और यह मुलाकात पूरी तरह सामाजिक थी। फिलहाल वीडियो को लेकर दौसा की राजनीति में हलचल बनी हुई है और इसके सियासी मायने निकाले जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्वामी विवेकानंद जयंती व राष्ट्रीय युवा दिवस पर दी शुभकामनाएं

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्वामी विवेकानंद जयंती व राष्ट्रीय युवा दिवस (12 जनवरी) के उपलक्ष्य में प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी है। शर्मा ने अपने संदेश में कहा कि स्वामी विवेकानंद ने अपना संपूर्ण जीवन भारतीय संस्कृति और मूल्यों के संरक्षण के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने युवाओं को आत्मविश्वास, चरित्र निर्माण और राष्ट्र भक्ति का संदेश देते हुए कहा था - ''उठो, जागो और तब तक मत रूको जब तब लक्ष्य प्राप्त न हो जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के आदर्श युवा शक्ति के लिए सदैव प्रेरणादायी रहेंगे। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे स्वामी जी के सिद्धांतों को अपने जीवन में आत्मसात कर सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं।

दुबई से जयपुर आई फ्लाइट में पैसेंजर ने किया हंगामा

एयर इंडिया एक्सप्रेस के क्रू मेंबर के साथ दुर्व्यवहार पर लैंडिंग के बाद पुलिस ने पकड़ा

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। दुबई से जयपुर आने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट में उस समय हंगामे की स्थिति बन गई। जब एक पैसेंजर ने उड़ान के दौरान विमान के क्रू मेंबर के साथ दुर्व्यवहार किया। क्रू मेंबर की शिकायत के बाद जयपुर एयरपोर्ट पर लैंडिंग होते ही यात्री को सिक्योरिटी स्टाफ ने उतारकर पुलिस के हवाले कर दिया। घटना एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट संख्या IX-196 की है। दुबई से उड़ान भरकर रविवार शाम 4:40 बजे जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर फ्लाइट पहुंची थी। इस फ्लाइट में क्रू मेंबर के साथ एक पैसेंजर ने दुर्व्यवहार किया है।

आपत्तिजनक व्यवहार और अभद्र भाषा का आरोप

जयपुर एयरपोर्ट से जुड़े सूत्रों के अनुसार- उड़ान के दौरान एक यात्री का व्यवहार लगातार आपत्तिजनक रहा। यात्री ने विमान के क्रू मेंबर के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया और उनके निर्देशों का पालन करने से इनकार किया। क्रू मेंबर ने स्थिति को शांत करने की कोशिश की, लेकिन यात्री का व्यवहार नहीं सुधरा। इसके बाद मामले की सूचना एयरलाइन अधिकारियों को दी गई।

फ्लाइट के उतरते ही आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

फ्लाइट के जयपुर एयरपोर्ट पर लैंड करते ही एयर इंडिया एक्सप्रेस के सिक्योरिटी स्टाफ को सतर्क कर दिया गया। एयरलाइन क्रू की शिकायत के आधार पर सिक्योरिटी स्टाफ ने संबंधित यात्री को विमान से नीचे उतारा और आगे की कार्रवाई के लिए एयरपोर्ट थाना पुलिस के हवाले कर दिया। एयरपोर्ट थाना पुलिस ने यात्री को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। वहीं एयरलाइन की ओर से दी गई शिकायत के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि घटना के बाद यात्रियों और क्रू की सुरक्षा को लेकर एयरपोर्ट और एयरलाइन प्रशासन सतर्क नजर आ रहा है। क्योंकि फ्लाइट में सुरक्षा और अनुशासन बनाए रखने के लिए एयरलाइन की ओर से सख्त नियम लागू हैं। ऐसे में क्रू के साथ दुर्व्यवहार को गंभीरता से लिया जाता है।

जयपुर में हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

तकनीकी खराबी आने पर पायलट ने सुरक्षित उतारा, भोपाल के लिए भरी थी उड़ान

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। जयपुर में एक हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग करवानी पड़ी। हेलिकॉप्टर जयपुर से भोपाल (मध्य प्रदेश) जा रहा था। प्राइवेट कंपनी के हेलिकॉप्टर में सवार पायलट और को-पायलट पूरी तरह सुरक्षित हैं और किसी प्रकार की क्षति नहीं हुई। घटना रविवार सुबह करीब 11 बजे की जयपुर ग्रामीण के रायसर के पास स्थित वामनवाटी गांव की है। एवन हेलिकॉप्टर कंपनी के डायरेक्टर सोहन सिंह नाथावत ने बताया- हेलिकॉप्टर देहरादून (उत्तराखंड) से शनिवार शाम 4:30 बजे जयपुर पहुंचा था। इसके बाद हेलिकॉप्टर में फ्यूल रिफ्यूलिंग की प्रक्रिया पूरी की गई। रविवार को मौसम साफ होने के बाद हेलिकॉप्टर ने सुबह 11:02 बजे जयपुर में चौमूं के मलिकपुर स्थित हेलीपैड से भोपाल के लिए उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही हेलिकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ गई।

रायसर के नजदीक वामनवाटी गांव में पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग करवाई। फिलहाल हमारी टीम हेलिकॉप्टर की तकनीकी खराबी की जांच में जुटी हुई है। इसके बाद एक बार फिर हेलिकॉप्टर को मलिकपुर लाया जाएगा। यहां से उसे दुरुस्त कर भोपाल भेजा जाएगा। यह हेलिकॉप्टर ढिल्लों एविएशन का बेल 206-4 कैटेगरी का है।

पुलिस ने बनाया सुरक्षा घेरा

हेलिकॉप्टर के गांव में उतरते ही लोग मौके पर इकट्?ठा हो गए। ग्रामीणों ने रायसर थाना पुलिस को जानकारी दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ को नियंत्रित किया। पुलिस ने एहतियातन हेलिकॉप्टर के आसपास सुरक्षा घेरा बनाकर लोगों को दूर किया, ताकि किसी तरह की अनहोनी न हो।

सेना के साहस, शौर्य और स्वाभिमान के भव्य प्रदर्शन का गवाह बना जयपुर, सेना दिवस परेड-2026 की दूसरी फुल ड्रेस रिहर्सल में उमड़ा जनसैलाब, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर जयपुर में पहली बार ऐतिहासिक आयोजन

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दूरदर्शी निर्देशों पर राजधानी जयपुर में आर्मी एरिया से बाहर पहली बार आयोजित हो रही सेना दिवस परेड-2026 को लेकर आमजन में अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिल रहा है। जगतपुरा स्थित महल रोड पर रविवार को आयोजित दूसरी फुल ड्रेस रिहर्सल में बड़ी संख्या में नागरिकों की सहभागिता रही, जहां भारतीय सेना के साहस, पराक्रम, अनुशासन और आधुनिक युद्ध क्षमता का जीवंत प्रदर्शन देखने को मिला। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार यह आयोजन जनभागीदारी, राष्ट्रभक्ति और नागरिक-सैन्य समन्वय का सशक्त प्रतीक बनकर उभरा है। सामान्य प्रशासन, पुलिस प्रशासन, जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों के अधिकारी कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए निरंतर समन्वय के साथ जुटे हुए हैं। फुल ड्रेस रिहर्सल में आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा को साकार करते हुए स्वदेशी तकनीक से विकसित मिसाइलों, टैंकों और हथियार प्रणालियों का प्रदर्शन किया गया। रविवार को रिहर्सल के दौरान अपाचे और प्रचंड हेलिकॉप्टर, डायमंड शेप सहित विभिन्न लड़ाकू ड्रोन विमानों की उड़ानों ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। जल, थल और वायु–तीनों आयामों में सेना की सामरिक शक्ति का प्रभावी प्रदर्शन हुआ। रिहर्सल में हेलिकॉप्टर से दागी जाने वाली एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल 'हेलिना', मल्टी मिसाइल लॉन्चर, अत्याधुनिक टैंक और एंटी एयर मिसाइल सिस्टम का प्रदर्शन किया गया। यह एंटी एयर मिसाइल सिस्टम 155 राउंड फायर करने में सक्षम है और हेलिकॉप्टर से भी संचालित किया जा सकता है। इसके साथ ही 4 हजार मीटर की ऊंचाई तक उड़ान भरने में सक्षम ड्रोन आधुनिक युद्ध तकनीक की दिशा को स्पष्ट रूप से दर्शाते नजर आए। परेड रिहर्सल में ऑपरेशन सिंदूर की झांकी आकर्षण का प्रमुख केंद्र रही, जिसमें ब्रह्मोस मिसाइल और हाई-रेजोल्यूशन कैमरों से लैस अत्याधुनिक रोबोटिक डॉग्स का प्रदर्शन किया गया। एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल टुकड़ी द्वारा दुश्मन के टैंकों को नष्ट करने की क्षमता का प्रभावशाली प्रदर्शन भी किया गया। सेना दिवस परेड में भैरव बटालियन ने अपनी आधुनिक युद्ध क्षमता का प्रदर्शन किया। जनवरी 2026 में गठित यह नई स्पेशल फोर्स ड्रोन आधारित ऑपरेशंस के लिए तैयार की गई है, जिसमें एक लाख से अधिक प्रशिक्षित ड्रोन ऑपरेटर शामिल हैं। यह यूनिट हाइब्रिड और मल्टी-डोमेन चुनौतियों से निपटने में पूर्ण रूप से सक्षम है। ऑल-टेरेन व्हीकल द्वारा पानी, रेगिस्तान और पथरीले इलाकों में संचालन क्षमता का प्रदर्शन किया गया, जिसका उपयोग सैन्य अभियानों के साथ-साथ आपदा राहत कार्यों में भी किया जाता है। वहीं मॉड्यूलर ब्रिज के माध्यम से कम समय में मार्ग निर्माण की क्षमता ने दर्शकों को प्रभावित किया। रिहर्सल में मुधोल हाउंड, रामपुर हाउंड, चिप्पिपराई, कोम्बई और राजपालयम जैसी स्वदेशी नस्लों के डॉग्स ने अभ्यास किया। चश्मा पहने मुधोल हाउंड की फुर्ती और आक्रामकता विशेष आकर्षण रही। इसके साथ ही भारतीय सेना के जवानों ने मोटरसाइकिल पर पिरामिड निर्माण, एक टायर पर सवारी और अशोक स्तंभ व कमल जैसे राष्ट्रीय प्रतीकों का प्रदर्शन कर दर्शकों को रोमांचित कर दिया। सेना दिवस परेड के सफल आयोजन हेतु राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा, यातायात, पार्किंग, स्वच्छता, पेयजल, चिकित्सा, आपातकालीन सेवाओं सहित महिला एवं दिव्यांग दर्शकों की सुविधा सुनिश्चित की गई है। विभिन्न विभागों के समन्वय से आयोजन सुचारु, सुरक्षित और व्यवस्थित रूप से संचालित हो रहा है। गौरतलब है कि सेना दिवस परेड2026 न केवल भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम का उत्सव है, बल्कि यह सुशासन, प्रशासनिक समन्वय और संवेदनशील शासन व्यवस्था का भी सशक्त उदाहरण बनकर जयपुर को राष्ट्रीय पटल पर नई पहचान दिला रहा है।

ग्राम पंचायत पटाउ में प्रभारी मंत्री जोराराम कुमावत ने की रात्रि चौपाल, राज्य सरकार की मंशा अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे योजनाओं का लाभ

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। कल्याणपुर पंचायत समिति की ग्राम पंचायत पटाउ में प्रभारी मंत्री, पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत की अध्यक्षता में रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में बालोतरा जिला कलक्टर सुशील कुमार यादव, अतिरिक्त जिला कलक्टर भुवनेश्वर सिंह चौहान, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी हीराराम कलबी समेत जिले के समस्त जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे। रात्रि चौपाल के दौरान प्रभारी मंत्री कुमावत ने ग्रामीणों की समस्याएं, सुझाव एवं अपेक्षाएं गंभीरता से सुनीं। उन्होंने आगामी बजट को जनोपयोगी एवं विकासोन्मुख बनाने के लिए आमजन से बजट पूर्व सुझाव देने का आग्रह किया, ताकि जनहित से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के साथ बजट में शामिल किया जा सके। प्रभारी मंत्री ने राज्य सरकार के दो वर्षों के कार्यकाल की प्रमुख उपलब्धियों की जानकारी देते हुए कहा कि सरकार ने किसानों, पशुपालकों, युवाओं, महिलाओं एवं वंचित वर्गों के कल्याण के लिए अनेक महत्वपूर्ण योजनाएं एवं फैसले लागू किए हैं। पशुपालन, गोपालन एवं डेयरी क्षेत्र में किए गए नवाचारों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। चौपाल में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क, बिजली, पशुपालन एवं सामाजिक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा हुई। प्रभारी मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को जनसमस्याओं के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान के निर्देश दिए तथा कहा कि सरकार की मंशा है कि अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे। रात्रि चौपाल में ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी रही और आमजन ने खुलकर अपने विचार व सुझाव रखे।

शौक पूरे करने के लिए बनाई थी महिला चोर गैंग

ज्वेलर को बातों में उलझा करती दुकान में चोरी, मास्टर माइंड गिरफ्तार; कई राज्यों में वारदात कबूली

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। जयपुर पुलिस ने ज्वेलरी शॉप में चोरी करने वाली महिला चोर गैंग की मास्टर माइंड को गिरफ्तार किया है। एयरपोर्ट थाना पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कोटा से आरोपी को पकड़ा। आरोपी ने शौक पूरे करने के लिए महिला चोर गैंग बनाई थी। वे कस्टमर बनकर ज्वेलर को बातों में उलझाकर गहने चुराती थी।

एयरपोर्ट थाना पुलिस गैंग की फरार दो महिलाओं की तलाश कर रही है। महिला चोर गैंग ने 3 जनवरी को जगतपुरा बाजार में श्याम ज्वैलर्स शॉप में वारदात की थी। तीन महिलाओं ने कस्टमर बनकर पायल की एक ट्रे चुरा ली थी। एयरपोर्ट थाने में पीड़ित ज्वेलर के बेटे ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। इस पर पुलिस ने महिला चोर गैंग की मास्टर माइंड नीरू उर्फ सोन्या (38) निवासी कल्याणपुरा सिमलिया कोटा ग्रामीण को अरेस्ट किया है।

आरोपी को गिरफ्तार कर 6 पायल की जब्त डीसीपी (ईस्ट) संजीव नैन ने बताया- पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर महिला आरोपी को चिह्नित किया। इसके बाद पीछा कर कोटा में दबिश देकर पकड़ा। उसके कब्जे से ज्वेलर शॉप से चुराई चांदी की 6 पायल जब्त की गई हैं।

कई राज्यों में वारदात कबूली

पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी नीरू उर्फ सोन्या ने अपनी रिश्तेदार महिला मौसम और गुड्डी के साथ ज्वेलरी शॉप में चोरी करना कबूल किया है। वह कई राज्यों में ज्वेलरी शॉप में दुकानदार को बातों में उलझाकर गहने चोरी कर चुकी हैं। अपना और परिवार का खर्चा चलाने के साथ घूमने-फिरने के शौक करने के लिए गैंग बनाई।

आरोपी महिला ने जयपुर शहर के एयरपोर्ट थाना इलाके के अलावा प्रताप नगर, झोटवाड़ा में भी वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया है।

रशियन मॉडल के साथ 500 डॉग्स ने दिखाया टैलेंट

जयपुर डॉग शो में कूलर में बैठे नजर आए विदेशी कुत्ते, साइबेरियन-फ्रेंच-अलास्का के दुर्लभ ब्रीड्स भी दिखे

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। जयपुर में अपनी पसंदीदा डॉग ब्रीड्स को चैंपियन बनते देखने के लिए दशहरा ग्राउंड में डॉग लवर्स उमड़ पड़े। विदेशी डॉग के साथ रशियन मॉडल भी नजर आई, जिन्होंने शो में डॉग को कॉम्पीटिशन के लिए उतारा। देशभर से आए 500 से अधिक डॉग्स ने अपने मालिकों के साथ शिरकत की और चैंपियन बनने के लिए दम दिखाया।

27वां 'जयपुर डॉग शो 2026' रविवार को आदर्श नगर स्थित दशहरा मैदान पर आयोजित किया गया।

जयपुर डॉग शो में प्रतियोगिताओं के साथ कई मनोरंजक और रोचक गतिविधियां भी देखने को मिलीं। अलग-अलग राज्यों से आए डॉग्स को चाल, जंप, हाइट और शारीरिक संरचना के आधार पर जजों ने अंक दिए।

कई राज्यों के डॉग्स ने लिया हिस्सा

जयपुर डॉग शो के आयोजक जगदीश चंद्रा ने बताया- यह प्रतियोगिता कैनल क्लब ऑफ इंडिया की चैंपियनशिप के तहत आयोजित की गई। इसमें दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, मध्यप्रदेश, पंजाब, गुजरात सहित कई राज्यों के डॉग्स ने हिस्सा लिया।

वहीं कैनल क्लब ऑफ राजस्थान के सचिव वीरेन शर्मा ने बताया- शो में साइबेरियन हस्की, अफगान हाउंड, फ्रेंच बुलडॉग, अलास्कन मालाम्यूट, शित्जू सहित कई दुर्लभ और लोकप्रिय ब्रीड्स शामिल हुई। शो के दौरान डॉग्स और उनके ओनर्स से जुड़ी कई दिलचस्प कहानियां भी सामने आई।

उन्होंने कहा- इस बार शो की जजिंग अंतरराष्ट्रीय स्तर की रही। ताइवान से आए जज टोनी वू और हसिनङ्कहसिउंग वू ने डॉग्स का मूल्यांकन किया। वहीं मशहूर डॉग मिमिक्रिस्ट दीपक तिल्ली ने डॉग्स की हूबहू आवाज निकालकर दर्शकों का मनोरंजन किया।

सर्दी में भी डॉग्स के लिए कूलर

कार्यक्रम के दौरान मौसम ठंडा था, लेकिन कुछ विदेशी ब्रीड्स के डॉग्स के लिए कूलर की व्यवस्था की गई। साइबेरियन हस्की, सामोयड और अलास्कन मैलम्यूट जैसी ब्रीड्स माइनस डिग्री तापमान की अभ्यस्त होते हैं। ऐसे में उनके आराम का विशेष ध्यान रखा गया। डॉग्स की देखभाल और उनके 'नखरों को लेकर दर्शकों ने उनके मालिकों से सवाल किए।

विदेशी ब्रीड्स के बीच इंडी पपीज को मिला घर

जहां एक ओर विदेशी ब्रीड्स जीत के लिए मुकाबला कर रही थीं। वहीं जयपुर डॉग शो में मानवीय पहलू भी देखने को मिला। यहां लगाए गए अडॉप्शन कैंप में 90 से अधिक इंडी पपीज को जयपुराइट्स ने गोद लिया। एनिमल हॉस्पिटल डीसीसी की ओर से गोद लिए गए सभी डॉग्स को मुफ्त वैक्सीनेशन और आवश्यक दवाएं भी उपलब्ध कराई गई।

सेना दिवस परेड की रिहर्सल में दिखी कला-संस्कृति की झलक

लोक परंपराओं की झांकी में कठपुतली, टेराकोटा, ब्लू पॉटरी जैसी कलाओं की खूबसूरती आई नजर

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। सेना दिवस के अवसर पर जयपुर में आयोजित होने वाली परेड में सेना के शौर्य के साथ इस बार राजस्थान की कला, संस्कृति और लोक परंपराओं की मनोहर झांकी भी देशभर का ध्यान आकर्षित करेगी। महल रोड, जगतपुरा में चल रही सेना दिवस परेड की रिहर्सल के दौरान यह झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इस झांकी को राजस्थान सरकार के कला, संस्कृति एवं पर्यटन विभाग की ओर से तैयार किया गया है। झांकी की नोडल एजेंसी राजस्थान ललित कला अकादमी है, जिसके वरिष्ठ कलाकारों की देखरेख में इसे साकार रूप दिया गया है।

कला, शिल्प और लोक उत्सव झांकी की थीम

झांकी की थीम राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर- कला, शिल्प और लोक उत्सव रखी गई है, जिसका उद्देश्य राज्य की सदियों पुरानी परंपराओं, वास्तुकला, हस्तशिल्प और लोक कलाओं को एक ही मंच पर प्रस्तुत करना है।

झांकी के प्रमुख आकर्षण

झांकी के फ्रंट पार्ट में विशाल कठपुतली की आकृति स्थापित की गई है, जो राजस्थान की सबसे लोकप्रिय लोक कलाओं में से एक का प्रतीक है। यह कठपुतली राज्य की कलात्मक पहचान को दर्शाते हुए दर्शकों का स्वागत करती नजर आती है। झांकी के मध्य भाग में राजस्थान के विविध हस्तशिल्पों का जीवंत प्रदर्शन किया गया है।

इसमें प्रसिद्ध मोलेला टेराकोटा शैली में बनी धार्मिक और सांस्कृतिक मूर्तियों को कलाकार लाइव गढ़ते नजर आ रहे हैं। जयपुर की विश्वप्रसिद्ध ब्लू पॉटरी के आकर्षक बर्तनों का विशेष प्रदर्शन किया गया है। पारंपरिक वेशभूषा में कलाकार इन कलाओं का सजीव प्रदर्शन कर रहे हैं, जो राज्य के कुटीर उद्योगों की जीवंतता को दर्शाता है।

फूलों की होली की लाइव प्रस्तुति

झांकी के ऊपरी मंच पर भरतपुर क्षेत्र की प्रसिद्ध ÷फूलों की होली÷ लोक नृत्य की प्रस्तुति दी जा रही है। यह नृत्य राजस्थान के उत्सव प्रिय स्वभाव और संगीत प्रेम को उजागर करता है। झांकी की पृष्ठभूमि में विशाल एलईडी स्क्रीन पर कला, संस्कृति एवं पर्यटन विभाग की ओर से तैयार डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन किया जा रहा है। साथ ही ऐतिहासिक महलों की स्थापत्य शैली को भी दर्शाया गया है।

सैंडस्टोन गोल्ड, केसरिया और गहरा लाल रंग का प्रयोग

झांकी में राजस्थान के सिग्नेचर रंग सैंडस्टोन गोल्ड, केसरिया और गहरा लाल का प्रयोग किया गया है। ये रंग न केवल मरुस्थलीय मिट्टी की याद दिलाते हैं, बल्कि राज्य के शौर्य और आतिथ्य भाव के भी प्रतीक हैं। पूरी झांकी के साथ लगभग कई कलाकारों की ओर से गैर नृत्य की लाइव प्रस्तुति भी दी जा रही है, जो चलते हुए मंच के साथ दर्शकों को राजस्थान की लोक संस्कृति से जोड़ती है।

पधारो म्हारे देश संस्कृति की ओर आकर्षित करना झांकी का उद्देश्य

आर्ट एंड कल्चर डिपार्टमेंट की डिप्टी सेक्रेटरी अनुराधा गोगिया ने बताया कि इस झांकी का मुख्य उद्देश्य देश-विदेश के पर्यटकों को राजस्थान की पधारो म्हारे देश संस्कृति की ओर आकर्षित करना और राज्य के स्थानीय शिल्पकारों और कलाकारों की कला को वैश्विक पहचान दिलाना है।

ग्राम पंचायत लोरड़ी पंडित जी में जारी है शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर की रात्रि चौपाल

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। शिक्षा (विद्यालयी/संस्कृत) एवं पंचायती राज मंत्री तथा जोधपुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री मदन दिलावर द्वारा पंचायत समिति मण्डोर की ग्राम पंचायत लोरड़ी पंडित जी में रात्रि चौपाल का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें वे ग्रामीणों से प्रत्यक्ष संवाद कर उनकी समस्याएं एवं सुझाव सुन रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार राज्य सरकार द्वारा जनसरोकारों से सीधे संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से सभी मंत्रियों द्वारा अपने-अपने प्रभार जिलों में रात्रि चौपाल कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आयोजित इस रात्रि चौपाल में मंत्री दिलावर ग्रामीणों से रूबरू होकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी प्रदान कर रहे हैं। रात्रि चौपाल के दौरान मंत्री दिलावर भारत सरकार की विकसित भारत जी राम जी योजना के अंतर्गत संचालित कार्यक्रमों की जानकारी ग्रामीणों को दे रहे हैं तथा योजनाओं का अधिकाधिक लाभ लेने का आह्वान कर रहे हैं। इस अवसर पर जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आशीष शर्मा, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी गणपत लाल सूथार, संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा ओम प्रकाश राजपुरोहित, ग्राम पंचायत सरपंच (प्रशासक) मोहन सिंह सहित जनप्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित हैं।

1971 की ऐतिहासिक विजय की साक्षी मर्सिडीज बनी 'नो योर आर्मी' मेले का प्रमुख आकर्षण

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। सेना दिवस परेड-2026 के अवसर पर जयपुर में आयोजित हो रहे 'नो योर आर्मी' मेले में 1971 के भारतङ्कपाक युद्ध की ऐतिहासिक धरोहर–पाकिस्तान के तत्कालीन पूर्वी सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल ए.ए.के. नियाज़ी की मर्सिडीज-बेंज़ स्टाफ कार आमजन के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। यह वही वाहन है, जिसे 16 दिसंबर 1971 को ढाका में हुए पाकिस्तान के बिना शर्त आत्मसमर्पण के बाद भारतीय सेना ने सुरक्षित रूप से अपने कब्जे में लिया था।

यह ऐतिहासिक मर्सिडीज न केवल 1971 के युद्ध में भारत की निर्णायक विजय का प्रतीक है, बल्कि यह पूर्वी पाकिस्तान में पाकिस्तानी सैन्य कमान के पूर्ण पतन और भारतीय सेना के अदम्य शौर्य, रणनीतिक नेतृत्व एवं संयुक्त अभियानों की सफलता की सशक्त गवाह भी है।

वर्तमान में यह वाहन मुख्यालय ईस्टर्न कमांड में युद्ध ट्रॉफी के रूप में संरक्षित है और 'नो योर आर्मी' मेले के माध्यम से पहली बार बड़ी संख्या में नागरिकों को इस ऐतिहासिक धरोहर को नजदीक से देखने का अवसर मिल रहा है।

मेले में आने वाले नागरिक, युवा एवं विद्यार्थी इस गाड़ी के माध्यम से 1971 के युद्ध की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, भारतीय सशस्त्र बलों के पराक्रम और राष्ट्र की एकता व अखंडता के लिए किए गए बलिदानों से रूबरू हो रहे हैं। यह प्रदर्शनी देशभक्ति की भावना को सुदृढ़ करने के साथ-साथ नई पीढ़ी को भारतीय सेना के गौरवशाली इतिहास से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बन रही है।'नो योर आर्मी' मेला सेना दिवस परेड के जनभागीदारी आधारित आयोजनों की कड़ी में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो आमजन और सशस्त्र बलों के बीच विश्वास, सम्मान और गर्व के भाव को और अधिक मजबूत कर रहा है।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने की बजट पूर्व मीडिया के साथ की चर्चा

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने राज्य बजट 2026-2027 के लिए आज अजयमेरू प्रेस क्लब में आयोजित कार्यक्रम में मीडियाकर्मियों से संवाद किया। संवाद के माध्यम से मीडिया से सुझाव लेकर आगामी बजट को अधिक समावेशी बनाने पर मंथन किया जाएगा। इस अवसर पर देवनानी ने अजमेर उत्तर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र हुए विकास कार्यों की उपलब्धियां भी बताई। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि जिले को दोनों बजटों में विशेष प्राथमिकता दी गई है। बीते दो वर्षों में हर क्षेत्र में विकास को गति मिली है और बजट घोषणाओं को समयबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है। पेयजल के लिए तीन रिजर्वायर, स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय में सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक, गैस आधारित जीएसएस , लेपर्ड सफारी पार्क, आईटी पार्क, साइंस पार्क, नगर वन, शिक्षण संस्थान से जुड़े कई कार्य अजमेर को विकास के पथ पर आगे बढ़ाएंगे। अजमेर के एन्ट्री पॉईन्ट से लेकर पूरे शहर में विभिन्न स्थानों पर विकास के कार्य होंगे। इनमें 30 हजार बैठक क्षमता का खेल स्टेडियम महानगरों की तर्ज पर अजमेर में कन्वेंशन सेंटर और चौड़ी सड़कों के साथ ही सफाई, वेंडिंग जोन और पार्किंग आदि पर भी फोकस रहेगा। देवनानी ने बताया कि कोटड़ा क्षेत्र में 50 बैड का नया सैटेलाइट अस्पताल 26 करोड़ रूपए की लागत से तैयार होगा। इसी तरह जवाहर लाल नेहरू अस्पताल में सुपर स्पेशलिटी सेवाओं के लिए 195 करोड़ रूपए मंजूर हो गए हैं। शीघ्र ही इस पर काम शुरू होगा। संभाग के सबसे बड़े जेएलएन अस्पताल में स्पीकर हैल्पडेस्क की शुरूआत की गई। यह हैल्पडेस्क 24 घंटे काम कर रही है। चिकित्सालय में मल्टी लेवल पार्किंग, पीजी गर्ल्स हॉस्टल और नवीन पीडियाट्रिक भवन का उद्घाटन किया गया। इसी प्रकार पुष्कर रोड़ स्थित रसायनशाला में पंचकर्म भवन के निर्माण के लिए 78 लाख रूपए स्वीकृत किए। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि लगातार विकास के सौपान में शहर के काजीपुरा, खरेखड़ी, अजयसर और आस-पास के गांव में फैली गंगा-भैरव घाटी में लेपर्ड सफारी विकसित की जा रही है। यहां गंगा-भैरव घाटी में बनने जा रहे लेपर्ड सफारी में ट्रैक और रूट बनेगा। यहां टिकट खिड़की, रेस्ट प्वाइंट्स, सेल्फी प्वाइंट्स तथा पर्यटकों की सुविधा के लिए व्यवस्थाएं विकसित की जाएगी। स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे।

एसएमई चैम्बर ऑफ इंडिया और मैन्युफैक्चरर्स एंड एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित होने वाले राजस्थान इंडस्ट्रीज़ एंड एसएमई समिट से औद्योगिक विकास को मिलगी नई दिशा

जयपुर। एसएमई चैम्बर ऑफ इंडिया और मैन्युफैक्चरर्स एंड एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया 20 जनवरी को जयपुर में 'राजस्थान इंडस्ट्रीज़ एंड एसएमई समिट' का आयोजन कर रहे हैं।

यह समिट निर्माताओं, एसएमई, निर्यातकों, निवेशकों, स्टार्ट-अप्स और संबद्ध व्यावसायिक एवं औद्योगिक क्षेत्रों को एक मंच पर एकीकृत करेगा। यहां उभरते व्यापार, निर्यात और निवेश के अवसरों की खोज की जाएगी ताकि राजस्थान के औद्योगिक एवं आर्थिक विकास में निरंतर योगदान दिया जा सके और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ÷विकसित भारत÷ के सपने को साकार किया जा सके।

समिट विशेष रूप से टियर-2 और टियर-3 शहरों में उद्योग स्थापित करने पर जोर देगा, जिससे विनिर्माण गतिविधियों का विस्तार होगा। साथ ही, भारतीय एवं विदेशी उद्यमों के साथ कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरिंग, जॉइंट वेंचर्स, मर्जर्स एंड एक्विजिशन्स तथा टेक्नोलॉजी ट्रांसफर की स्थापना के अवसरों पर फोकस रहेगा।

प्रमुख हाइलाइट्स और फोकस एरिया

– बैंकिंग फाइनेंस और 100 करोड़ तक कोलैटरल-फ्री फाइनेंस सुविधाओं का लाभ उठाना
– एसएमई को उभरते कॉर्पोरेट्स में बदलना
– स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए उत्कृष्टता बढ़ाना
– क्वालिटी प्रोडक्टिविटी के लिए इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन अपनाना
– वैकल्पिक फाइनेंस के लिए कैपिटल मार्केट एक्सेस के फायदे
– एसएमई को उभरते उद्यमों में बदलकर 10 गुना ग्रोथ हासिल करना राजस्थान सरकार की प्रमुख योजनाएं जो चर्चा का केंद्र रहेंगी
– राज उद्योग मित्र (एमएसएमई): नई इकाइयों को अनुमोदनों और निरीक्षणों से छूट
– राइजिंग राजस्थान के तहत एमएसएमई कॉन्क्लेव: वित्तीय सहायता, प्रशिक्षण और संसाधन
– एमएसएमई पॉलिसी 2024: वित्तीय/तकनीकी सहायता, टैक्स छूट, बाजार विकास और रोजगार सृजन पर फोकस

राजस्थान को इस समिट से क्या लाभ मिलेगा

निवेश और जॉइंट वेंचर्स में तेजी: नए निवेश, विदेशी सहयोग और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर से राज्य में उद्योगों का विस्तार

रोजगार सृजन: टियर-2/3 शहरों में उद्योग स्थापित होने से लाखों युवाओं को रोजगार, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में

निर्यात और आर्थिक विकास: वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ने से निर्यात में वृद्धि, जीएसडीपी में योगदान बढ़ेगा

समावेशी प्रगति: हस्तशिल्प, टेक्सटाइल, फूड प्रोसेसिंग, रिन्यूएबल एनर्जी जैसे क्षेत्र मजबूत होंगे, क्षेत्रीय असमानता कम होगी यह समिट राजस्थान को औद्योगिक हब बनाने और विकसित भारत के लक्ष्य में अग्रणी भूमिका निभाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उद्यमी, निवेशक, निर्यातक और हितधारक इस आयोजन में शामिल होकर राजस्थान के उज्ज्वल भविष्य में योगदान दे सकते हैं।

रजिस्ट्रेशन और अधिक जानकारी के लिए एसएमई चैम्बर ऑफ इंडिया की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं या संपर्क करें।

यह जानकारी महेश सालुंखे, निदेशक एवं महासचिव, एसएमई चैम्बर ऑफ इंडिया, मुंबई द्वारा प्रदान की गई है।

ग्रामीण विकास की दिशा में 'वीबी-जी राम जी' ऐतिहासिक पहल- ऊर्जा राज्यमंत्री

विकास को लगेंगे पंख, आगामी बजट के लिए मांगे सुझाव –अब साल में 100 दिन के बजाय मिलेगी 125 दिन के रोजगार की कानूनी गारंटी

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) एवं जिला प्रभारी मंत्री हीरालाल नागर ने रविवार को बूंदी के भविष्य की विकास योजनाओं और आगामी राज्य बजट को लेकर जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में संवाद किया। प्रभारी मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि राज्य सरकार बजट में जन-भागीदारी सुनिश्चित कर रही हैं। इसीलिए सामाजिक संगठनों और जनप्रतिनिधियों से सीधे सुझाव लिए जा रहे हैं। राज्य सरकार जिले के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी तरह कटिबद्ध हैं। पिछले बजट की अधिकांश घोषणाओं का क्रियान्वयन धरातल पर शुरू हो चुका हैं। उन्होंने बूंदी शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए नैनवां रोड़ पर प्रस्तावित फ्लाई ओवर की डीपीआर जल्द पूरी कर टेंडर प्रक्रिया शुरू करने और बूंदी बस स्टैंड की शिफ्टिंग की बाधाओं को विभागों के समन्वय से तत्काल दूर करने के निर्देश दिए। साथ ही, के.पाटन आरओबी की मरम्मत और भारतमाला प्रोजेक्ट के कार्यों में तेजी लाने पर जोर दिया ताकि आमजन को आवागमन में सुविधा मिल सके।

'वीबी-जी राम जी' ऐतिहासिक पहल

प्रभारी मंत्री ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती देने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा लाए गए 'विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) गारंटी अधिनियम, 2025' को मील का पत्थर बताते हुए कहा कि यह एक ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने कहा कि यह कानून पुरानी मनरेगा योजना का परिष्कृत रूप है, जो भ्रष्टाचार और लेटलतीफी जैसी कमियों को जड़ से समाप्त कर देगा। उन्होंने कहा कि अब ग्रामीणों को साल में 100 के स्थान पर 125 दिन के रोजगार की कानूनी गारंटी दी जाएगी। इस योजना के तहत अब केवल कच्चे काम नहीं होंगे, बल्कि जल संसाधन और पक्की सड़कों जैसी स्थायी संपत्तियों का निर्माण होगा, जिससे गांव आत्मनिर्भर बनेंगे। योजना की सबसे बड़ी विशेषता इसकी पारदर्शिता है, जिसमें एआई, जियो-टैगिंग और सैटेलाइट इमेजरी के माध्यम से कार्यों की निगरानी होगी और हर छह महीने में डिजिटल सोशल ऑडिट किया जाना अनिवार्य होगा। प्रभारी मंत्री ने कहा कि योजना में श्रमिकों के हितों का ध्यान रखते हुए साप्ताहिक भुगतान को अनिवार्य किया गया है और दो सप्ताह से अधिक की देरी होने पर स्वतः मुआवजे का कड़ा प्रावधान रखा गया है। बिजली और पानी की व्यवस्थाओं पर चर्चा करते हुए ऊर्जा राज्यमंत्री ने बताया कि जिले में बिजली सुदृढ़ीकरण के लिए जीएसएस निर्माण के कार्य प्रगति पर हैं। नगर परिषद क्षेत्र में स्वीकृत तीन नए जीएसएस के लिए भूमि का आवंटन कर दिया गया है, जिसका निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ होगा। उन्होंने किसानों को आश्वस्त किया कि उन्हें सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी और कृषि कार्यों के लिए निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। इस दौरान नगर परिषद सभापति सरोज अग्रवाल, अतिरिक्त जिला कलक्टर रामकिशोर मीणा सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहें।

अलवर जिला प्रभारी तथा कृषि मंत्री डॉ. किरोडी लाल मीणा ने ग्राम पंचायत पिनान में आयोजित रात्रि चौपाल में आमजन की सुनी परिवेदनाएं, संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के दिये निर्देश, अलाव पर बैठकर भी प्रभारी मंत्री ने विकसित भारत- जी राम जी योजना के बारे में ग्रामवासियों से चर्चा कर कहा अब योजना से 125 दिन ग्रामीण रोजगार की मिलेगी नयी गारंटी, रात्रि चौपाल में केन्द्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की दी गई जानकारी

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। अलवर जिला प्रभारी मंत्री तथा कृषि एवं उद्यानिकी विभाग मंत्री डॉ. किरोडी लाल मीणा ने रविवार को अलवर जिला स्थित रैणी उपखंड की ग्राम पंचायत पिनान में आयोजित रात्रि चौपाल में ग्रामीणों की परिवेदनाओं को संवेदनशीलता से सुना। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि रात्रि चौपाल में प्राप्त परिवेदनाओं का त्वरित निस्तारण कर आमजन को राहत पहुंचाए।

रात्रि चौपाल में ग्रामीणों द्वारा प्रभारी मंत्री डॉ. मीणा के समक्ष ग्राम पंचायत एवं ढाणियों में पेयजल आपूर्ति, विद्युत संबंधित, सड़क निर्माण, रास्ते पर अतिक्रमण, ग्राम पंचायत के परिसीमन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन सहित अन्य परिवाद प्रस्तुत किये। जिनकी सुनवाई कर प्रभारी मंत्री डॉ. मीणा ने अधिकारियों को समस्याओं का प्राथमिकता से निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि परिवेदनाओं के निराकरण कि सूचना परिवादी को दी जाये तथा इसकी रिपोर्ट भिजवाये।

ये रही प्रमुख परिवेदनाएं-

जनसुनवाई में ग्राम पंचायत पिनान के आसपास के ग्रामीणों ने प्रभारी मंत्री के समक्ष अपनी परिवेदनाएं प्रस्तुत की, जिसमें ग्रामीणों की मलावली में 33 केवी जीएसएस एवं किसानों की सिंचाई के लिए दिन में बिजली दिलवाने की मांग पर उन्होंने विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता

को आवश्यक कार्यवाई कर यथासंभव दिन में बिजली उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, इसके अतिरिक्त गांव साहिबाबाद में ही राजकीय प्राथमिक विद्यालय के पुनः संचालन की मांग, मुरली का बास में पानी की समस्या के समाधान एवं आंगनबाड़ी केंद्र खुलवाने की मांग, ग्राम पंचायत के परिसीमन के संबंध में, उकेरी में रास्ता खुलवाने, पिनान पशु चिकित्सालय में वरिष्ठ पशु चिकित्सक लगवाने बाबत परिवेदनाओं पर संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार त्वरित समाधान के निर्देश दिए।

ग्रामीणों को विकसित भारत- जी राम जी योजना सहित केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं की दी जानकारी

जिला प्रभारी मंत्री तथा कृषि एवं उद्यानिकी विभाग मंत्री डॉ. किरोडी लाल मीणा ने विकसित भारत- जी राम जी योजना पर ग्रामवासियों से विस्तृत चर्चा कर बताया कि योजना के माध्यम से 125 दिन ग्रामीण रोजगार की नयी गारंटी, ग्राम सभा द्वारा विकसित ग्राम पंचायत योजना बनेगी, समय पर मजदूरी के भुगतान एवं तकनीक के जरिए सशक्तिकरण संभव होगा। जिला प्रभारी मंत्री ने अलाव पर बैठकर भी ग्रामवासियों से विकसित भारत जी राम जी योजना पर बातचीत की।

इसके अतिरिक्त रात्रि चौपाल में विभागीय अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों में संचालित केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। जिसमें प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, तारबंदी योजना, जल संचय जन भागेदारी अभियान, पीएम किसान सम्मान निधि योजना, फार्म पौण्ड, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), सूर्य घर मुफ्त बिजली घर योजना, मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना, लाडो प्रोत्साहन योजना, टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान सहित महिलाओं और युवाओं से संबंधित योजनाएं इत्यादि की जानकारी दी गई। जिला प्रभारी मंत्री ने सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय द्वारा राज्य सरकार की योजनाओं के संबंध में वितरित करवाई गई प्रकाशन सामग्री के आधार पर ग्रामवासियों से पात्रता अनुसार केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। ग्रामवासियों ने वितरित करवाई गई योजनाओं की जानकारी संबंधी सामग्री की सराहना की। इस दौरान विधायक राजगढ-लक्ष्मणगढ मांगे लाल मीणा, जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला, एडीएम प्रथम मुकेश कायथवाल, जिला परिषद के सीईओ सालूखे गौरव रवीन्द्र, डीएफओ अलवर राजेंद्र हुड्डा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ. प्रियंका रघुवंशी सहित संबंधित जिला व ब्लॉक स्तरीय अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे।

विकसित भारत-जीरामजी' योजना से गांवों में आएगी रोजगार और आत्मनिर्भरता की क्रान्ति- गजेंद्र सिंह खींवसर

चिकित्सा मंत्री ने रोड़ा और पलाना में की जनसुनवाई और रात्रि चौपाल, विकसित भारत-जी-राम-जी' के प्रावधानों की दी जानकारी

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री तथा बीकानेर जिला प्रभारी मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा कि विकसित भारत-जीरामजी योजना से ग्रामीण जीवन में बड़े बदलाव आएंगे। उन्होंने कहा कि विकसित भारत-जीरामजी योजना, सिर्फ रोजगार का वादा नहीं, यह स्थायी आजीविका की गारंटी है। यह योजना ग्रामीण भारत को आत्मनिर्भर बनाकर विकसित भारत की नींव मजबूत करेगी।

खींवसर रविवार को रोड़ा और पलाना ग्राम पंचायत में आयोजित जनसुनवाई और रात्रि चौपाल के दौरान विकसित भारत-जीरामजी योजना के प्रावधानों के बारे में जानकारी दे रहे थे।

उन्होंने कहा कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य विकसित भारत-2047 के राष्ट्रीय विजन के अनुरूप ग्रामीण विकास का नया ढांचा तैयार करना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने गरीब, किसान और मजदूर के विकास को केंद्र में रखकर नरेगा को नए प्रावधानों के साथ प्रस्तुत किया है। यह योजना 1 अप्रैल 2026 से देशभर में लागू होगी।

खींवसर ने कहा कि विकसित गाँव के लक्ष्य को लेकर शुरू की गई 'विकसित भारत-जी राम जी योजना' का मुख्य उद्देश्य नरेगा की कमियों को दूर करना, व्यवस्था में पारदर्शिता लाना, भ्रष्टाचार पर प्रभावी रोक लगाना और रायों के सहयोग से इस योजना का डिजिटलीकरण करना है। इसके साथ ही विकसित ग्राम पंचायतों का निर्माण, ग्राम पंचायतों को अपनी आवश्यकताओं के अनुसार विकास योजनाएँ तैयार करने का अधिकार देना और ग्रामीण सभाओं को सशक्त बनाना है। खींवसर ने कहा कि योजना के तहत मजदूरों को वर्ष में 125 दिन का रोजगार प्रदान किया जाएगा। मजदूरी की राशि सात दिनों के भीतर सीधे बैंक खातों में भेजी जाएगी और यदि भुगतान में देरी होती है तो मजदूरों को ब्याज सहित भुगतान किया जाएगा। योजना के तहत एक नया ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्ड जारी किया जाएगा, जो काम मांगने, मजदूरी प्राप्त करने और अपने अधिकारों की मांग के लिए एक मजबूत और वैध दस्तावेज होगा। इसके तहत स्किल डेवलपमेंट को भी प्राथमिकता दी जाएगी। इस दौरान चिकित्सा मंत्री ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। पलाना के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में स्टाफ तथा आवश्यक मशीनरी उपलब्ध करवाने की कार्यवाही के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि यहां सुविधाओं की उपलब्धता के मद्देनजर कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने प्राप्त सभी परिवादों को समयबद्ध निस्तारित करने के निर्देश दिए।

रोड़ा में बड़ी संख्या में मौजूद रहे ग्रामीण

रोड़ा में आयोजित रात्रि चौपाल एवं जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। चिकित्सा मंत्री ने कहा कि विकसित भारत- जीरामजी योजना का उद्देश्य वर्ष 2047 तक ग्रामीण क्षेत्रों को पूर्णतया विकसित करना है। यह प्रधानमंत्री के दूरगामी विजन पर आधारित योजना है। इस दौरान उन्होंने आमजन की समस्याएं सुनी। उन्होंने रोड़ा के उप स्वास्थ्य केंद्र को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के रूप में क्रमोन्नत करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि चिकित्सा सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। पूर्व विधायक बिहारी लाल बिश्नोई ने कहा कि केंद्र और राय सरकार अंत्योदय की भावना के साथ काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। विकसित भारत- जीरामजी योजना इस दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि यह अधिक पारदर्शी और तकनीकी सुदृढ़ता के साथ लागू की जाएगी। उन्होंने कहा कि राय सरकार द्वारा भी अंतिम छोर तक बैठे व्यक्ति के लिए संकल्पबद्धता के साथ कार्य किया जा रहा है। इस दौरान ग्रामीणों ने मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर का भव्य स्वागत किया।

सेना की वजह से देश निरन्तर प्रगति कर रहा है, सैनिक की बेटी होने पर गौरवान्वित हूँ

दिया कुमारी 78 वें सेना दिवस पर 7 हजार 800 किलोमीटर के एकल साइकिल अभियान को दिखाई झण्डी

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। 78वें सेना दिवस के उपलक्ष्य में भवानी निकेतन शिक्षा समिति परिसर में आयोजित 'नो योर आर्मी' प्रदर्शनी के अन्तर्गत लगाए गए सेना के आधुनिक उपकरणों एवं हथियारों का अवलोकन उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने रविवार को किया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि यह समस्त राजस्थानवासियों के लिए गर्व का विषय है कि देश में पहली बार छावनी क्षेत्र के बाहर आमजन के लिए आर्मी डे परेड का आयोजन जयपुर में हो रहा है, जो सेना और नागरिकों के बीच मजबूत संबंधों का प्रतीक है। दिया कुमारी ने भावुक होते हुए कहा कि वह स्वयं एक आर्मी फैमिली से आती हैं। उनके पिता भारतीय सेना में सेवाएं दे चुके हैं और युद्ध के दौरान नेतृत्व भी किया था। उन्होंने कहा, ÷आज मैं यहां केवल उपमुख्यमंत्री के रूप में नहीं, बल्कि सेना परिवार के एक सदस्य के रूप में मौजूद हूं। उन्होने कहा कि उन्हें एक सैनिक की बेटी होने पर गर्व है। उन्होंने कहा कि सेना का शौर्य और बलिदान हर नागरिक को प्रेरित करता है। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने 78 वे आर्मी दिवस का आयोजन राजस्थान के जयपुर शहर में आयोजित करने पर पूरी जनता की ओर से माननीय प्रधानमंत्री और सेना का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की सेना के जवानो की वजह से देश निरन्तर प्रगति कर रहा है। आज रक्षा के क्षेत्र में भारत हमारा देश विश्व में किसी भी राष्ट्र से पीछे नही है। गत् 50 वर्षों में देश की सेना का आधुनिकरण हुआ है उससे हम किसी भी दुश्मन राष्ट्र को मुह तोड़ जवाब देने में सक्षम हुए उपमुख्यमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान स्पिकर के रूप में प्रमुख भुमिका निभाने वाली कर्नल सोफिया का गुलाबी नगरी जयपुर में स्वागत करते हुए कहा कि जिस तरह से कर्नल सोफिया ने सेना का आगे बढ़कर नेतृत्व किया है उससे सभी महिलाए गौरवान्वित हुई है। सभी सेना के वरिष्ठ अधिकारियो एवं सैनिको का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके द्वारा सीमाओं की रक्षा करने के कारण ही हम चैन की सांस ले पाते है। प्रदर्शनी में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना द्वारा उपयोग किए गए विभिन्न आधुनिक हथियार, आर्टिलरीज और सैन्य संसाधनों का प्रदर्शन किया गया। इस दौरान आधुनिक रायफलें, बैलिस्टिक मिसाइल प्रणाली, सेल्फ प्रोपल्ड गन्स, टैंक, बंकर, ड्रोन एवं एंटी-ड्रोन सिस्टम्स सहित विभिन्न अत्याधुनिक सैन्य संसाधनों का प्रदर्शन किया गया। साथ ही, भारतीय सेना की मैकेनाइज्ड फोर्सेज, पैराग्लाइडिंग गतिविधियां, स्काई डाइविंग, डॉग स्क्वॉड सहित अन्य गतिविधियों का जीवंत प्रदर्शन किया गया। वहीं, सिम्फनी बैंड ने देशभक्ति से ओत-प्रोत प्रस्तुतियां दी।

साइबर अपराधों पर लगाम लगाने के लिए 'फर्स्ट रिस्पॉन्स' सबसे महत्वपूर्ण: डीजीपी शर्मा

केंद्र की तर्ज पर राजस्थान में खुलेगा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

द अनकवर्ड अपडेअ

जयपुर। राजस्थान को साइबर सुरक्षा और महिला सुरक्षा में देश का मॉडल राज्य बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप पुलिस मुख्यालय में राजस्थान पुलिस और साइबरपीस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 1930 साइबर क्राइम हेल्पलाइन ऑपरेटर्स की दो दिवसीय फर्स्ट रिस्पॉन्डर्स वर्कशॉप का समापन नई ऊर्जा और बड़े संकल्पों के साथ हुआ।

I4C की तर्ज पर बनेगा राजस्थान का अपना R4C

कार्यशाला के समापन अवसर पर महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा ने मुख्यमंत्री शर्मा के बड़े ऐलान को साझा किया। उन्होंने बताया कि केंद्र के भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र की तर्ज पर अब राजस्थान साइबर क्राइम को-ऑर्डिनेशन सेंटर की स्थापना की जाएगी। इसे साइबर अपराध नियंत्रण के क्षेत्र में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जाएगा, जिससे सभी जिलों में सूचना साझा करने और अनुसंधान के लिए एक मजबूत केंद्रीकृत ढांचा तैयार होगा।

हेल्पलाइन 1930: रिस्पॉन्स एक आर्ट और जिम्मेदारी

अपने संबोधन में डीजीपी राजीव शर्मा ने हेल्पलाइन ऑपरेटर्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि साइबर क्राइम की शिकायतों को अटेंड करना अब एक आर्ट है। आपकी संवेदनशीलता और त्वरित रिस्पॉन्स ही यह तय करेगा कि हम कितनी जल्दी पीड़ित का पैसा वापस दिला पाते हैं। उन्होंने समय की महत्ता पर जोर देते हुए ऑपरेटरों को फर्स्ट रिस्पॉन्डर के रूप में उनकी क्रुशियल भूमिका का अहसास कराया।

डीजीपी शर्मा ने राजस्थान में इस प्रकार के प्रशिक्षणों के माध्यम से होने वाले कौशल उन्नयन और साइबर क्राइम रोकने की दिशा में ऑपरेटर की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर किया। उन्होंने ऑपरेटर्स को तकनीकी दृष्टि से अप टू डेट होकर पीड़ितों की सहायता के लिए कार्य करने को प्रोत्साहित किया।

समारोह की खास बातें

प्रशिक्षण के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को डीजीपी राजीव शर्मा और एडीजी साइबर क्राइम विजय कुमार सिंह द्वारा सर्टिफिकेट और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

साइबरपीस के संस्थापक मेज़र विनीत कुमार ने कार्यशाला के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कैसे तकनीकी प्रशिक्षण पुलिस को आधुनिक चुनौतियों के लिए तैयार कर रहा है।

दो दिवसीय कार्यशाला के मुख्य निष्कर्ष

इस दो दिवसीय गहन कार्यशाला का प्राथमिक फोकस 1930 हेल्पलाइन के संचालकों की तकनीकी और व्यावहारिक दक्षता को बढ़ाना था। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने गोल्डन ऑवर के महत्व को समझाया, जिसमें साइबर वित्तीय धोखाधड़ी के शुरुआती कुछ घंटों के भीतर त्वरित कार्रवाई करके पीड़ित की राशि को फ्रीज करने की प्रक्रियाओं का अभ्यास कराया गया। इसके साथ ही, ऑपरेटरों को आधुनिक साइबर फ्रॉड के बदलते पैटर्न्स, जैसे कि फिशिंग, सोशल इंजीनियरिंग और इन्वेस्टमेंट स्कैम से निपटने के लिए नवीनतम डिजिटल टूल्स और केस मैनेजमेंट की बारीकियों से अवगत कराया गया।

कार्यशाला का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू मानवीय दृष्टिकोण और क्षमता वर्धन रहा। प्रशिक्षण के दौरान यह रेखांकित किया गया कि एक फर्स्ट रिस्पॉन्डर को न केवल तकनीकी रूप से दक्ष होना चाहिए, बल्कि पीड़ित के साथ बातचीत करते समय अत्यधिक संवेदनशील और धैर्यवान भी होना चाहिए। दो दिनों के इस सत्र में केस स्टडीज और इंटरैक्टिव सत्रों के माध्यम से पुलिस अधिकारियों को यह सिखाया गया कि कैसे बेहतर समन्वय और सूचना साझाकरण के जरिए जटिल अनुसंधान को अंजाम दिया जा सकता है, ताकि राजस्थान के प्रत्येक जिले में साइबर सुरक्षा का एक मजबूत और एकजुट घेरा तैयार किया जा सके।

कार्यशाला के आरंभ में उप महानिरीक्षक पुलिस विकास शर्मा व पुलिस अधीक्षक साइबर क्राइम शांतनु सिंह ने कार्यशाला का उद्देश्य स्पष्ट किया

गुजरात में रिलायंस का निवेश अगले पाँच साल में 3.5 लाख करोड़ से बढ़कर 7 लाख करोड़ होगा - मुकेश अंबानी

राजकोट में प्रधानमंत्री ने किया ट्रेड एग्ज़िबिशन का उद्घाटन

जामनगर बनेगा क्लीन एनर्जी और एआई का ग्लोबल हब

द अनकवर्ड अपडेट

राजकोट। वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज़ के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने गुजरात के लिए बड़े निवेश की घोषणा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राजकोट में ट्रेड एग्ज़िबिशन के उद्घाटन के अवसर पर अंबानी ने कहा कि रिलायंस ने राज्य में पिछले पांच वर्षों में 3.5 लाख करोड़ का निवेश किया है जिसे अगले पांच वर्षों में दोगुना कर ?7 लाख करोड़ किया जाएगा। मुकेश अंबानी ने कहा कि रिलायंस पहले ही गुजरात का सबसे बड़ा निवेशक है और यह नया निवेश बड़े पैमाने पर रोज़गार, आजीविका और समृद्धि के अवसर पैदा करेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि आज भारत आत्मविश्वास के साथ वैश्विक मंच पर आगे बढ़ रहा है। मुकेश अंबानी ने बताया कि जामनगर में दुनिया का सबसे बड़ा इंटीग्रेटेड क्लीन एनर्जी इकोसिस्टम विकसित किया जा रहा है, जिसमें सोलर, एनर्जी स्टोरेज, ग्रीन हाइड्रोजन, ग्रीन फर्टिलाइज़र, सस्टेनेबल एविएशन और मैरीटाइम फ्यूल शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि जामनगर, जो कभी भारत का सबसे बड़ा हाइड्रोकार्बन निर्यातक था, अब ग्रीन एनर्जी और ग्रीन मटीरियल्स का सबसे बड़ा एक्सपोर्ट हब बनेगा। इसके साथ ही जामनगर में भारत का सबसे बड़ा एआई-रेडी डेटा सेंटर स्थापित किया जाएगा। जियो के माध्यम से 'हर भारतीय के लिए किफायती एआई' का लक्ष्य रखा गया है, जिससे लोग अपनी भाषा और अपने डिवाइस पर एआई सेवाओं का उपयोग कर सकेंगे। अंबानी ने कच्छ को वैश्विक क्लीन एनर्जी हब बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने बताया कि यहां मल्टी-गीगावॉट सोलर प्रोजेक्ट विकसित किया जा रहा है, जो एडवांस स्टोरेज और आधुनिक ग्रिड के जरिए चौबीसों घंटे स्वच्छ बिजली उपलब्ध कराएगा। प्रधानमंत्री के 2036 ओलंपिक को भारत लाने के विज़न को साकार करने के लिए रिलायंस फाउंडेशन भागीदारी करेगा। इसके तहत गुजरात सरकार के साथ मिलकर अहमदाबाद के नारणपुरा स्थित वीर सावरकर मल्टी-स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का संचालन किया जाएगा। इसके अलावा मुकेश अंबानी ने जामनगर में विश्वस्तरीय अस्पताल और स्कूल के विस्तार की भी घोषणा की।

धरना-प्रदर्शनः मनरेगा समाप्ति पर कांग्रेस का उपवास; डोटासरा, जूली, रंधावा समेत विधायक, नेता और पार्टी कार्यकर्ता हुए शामिल

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। मनरेगा कानून के बदले नया कानून बीवी जी रामजी बनाने के खिलाफ रविवार को कांग्रेस पार्टी सड़कों पर उतरी। प्रदेश मुख्यालय सहित सभी जिलों में पार्टी ने धरना दिया और पार्टी नेताओं ने एक दिन का उपवास रखा। पार्टी की ओर से चलाए जा रहे मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान के अंतर्गत यह धरना व उपवास राजधानी में शहीद स्मारक पर रखा गया। इसमें प्रदेश पदाधिकारियों के अलावा बड़ी संख्या में पार्टी नेता, विधायक व कार्यकर्ता शामिल हुए। इनमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, प्रदेश प्रभारी सुखजिन्दर सिंह रंधावा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली भी धरने का हिस्सा बने।

गरीबों की रोजी-रोटी छीनीः डोटासरा

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि मनरेगा कानून को निरस्त कर केन्द्र की भाजपा सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों के गरीब की रोजी-रोटी छीनी है। कांग्रेस सरकार ने गरीब को उसका अधिकार दिया था। गरीब व्यक्ति की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई, परिवार पालने के साथ अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दे पाए। अब केन्द्र सरकार ने गरीबों को संबल प्रदान करने वाली मनरेगा को समाप्त कर दिया है।

भाजपा के नेता कभी गरीब के साथ रहे ही नहीं, इसलिए इस योजना को बंद किया है। ऐसा प्रदर्शित कर रहे हैं कि कांग्रेस का विरोध नाम बदलने के कारण है, जबकि वास्तविकता यह है कि केन्द्र की भाजपा सरकार ने पूरी योजना ही समाप्त कर दी। नई योजना के तहत न तो गरीब के लिए काम का अधिकार की गारंटी है, काम वहीं मिलेगा जहां केन्द्र सरकार आवंटित करेगी। भाजपा सरकार ने पंचायती राज संस्थाओं एवं नगर निकायों के चुनाव नहीं करवाए, जिस कारण प्रदेश का 3000 करोड़ रुपए की केन्द्र से मिलने वाली राशि लैप्स होने की कगार पर है।

केंद्र ने गरीब के साथ अन्याय कियाः जूली

नेता प्रतिपक्ष जूली ने मुख्यमंत्री से प्रश्न किया कि प्रदेश की विपरीत आर्थिक स्थिति के बावजूद क्या राजस्थान की भाजपा सरकार मनरेगा के स्थान पर लागू नई योजना के तहत राज्य का 40 प्रतिशत हिस्सा वहन करने के लिए तैयार है, इस बता की जानकारी दें। यह अन्याय है, इसलिये केन्द्र सरकार को तुरंत गरीब कल्याण हेतु मनरेगा योजना को पुनः लागू करना चाहिए।

भाजपा नेताओं को गरीब से सरोकार नहीं

प्रदेश प्रभारी रंधावा ने कहा कि पूरे देश में कांग्रेस पार्टी गरीबों की सुरक्षा के लिए बनाई गई मनरेगा को पुनः लागू कराने के लिए आन्दोलन कर रही है। भाजपा के नेताओं को गरीब से कोई सरोकार नहीं है, वे उद्योगपतियों के तो ऋण माफ कर देते हैं किन्तु गरीब कल्याण के लिए मनरेगा योजना चलाने के लिए उनके पास बजट देने की मंशा नहीं है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्वामी विवेकानंद जयंती व राष्ट्रीय युवा दिवस पर दी शुभकामनाएं

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्वामी विवेकानंद जयंती व राष्ट्रीय युवा दिवस (12 जनवरी) के उपलक्ष्य में प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी है। शर्मा ने अपने संदेश में कहा कि स्वामी विवेकानंद ने अपना संपूर्ण जीवन भारतीय संस्कृति और मूल्यों के संरक्षण के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने युवाओं को आत्मविश्वास, चरित्र निर्माण और राष्ट्र भक्ति का संदेश देते हुए कहा था - ''उठो, जागो और तब तक मत रूको जब तब लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के आदर्श युवा शक्ति के लिए सदैव प्रेरणादायी रहेंगे। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे स्वामी जी के सिद्धांतों को अपने जीवन में आत्मसात कर सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं।

किसानों, पशुपालकों और डेयरी संघों के पदाधिकारियों के साथ बजट पूर्व संवाद

किसान और पशुपालक राज्य की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार स्तंभ आपणो अग्रणी राजस्थान के संकल्प में कृषि, पशुपालन एवं डेयरी क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि किसान और पशुपालक राज्य की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार स्तंभ है। राज्य सरकार इनको उन्नत, समृद्ध और खुशहाल बनाने के लिए निरंतर फैसले ले रही है। शर्मा ने कहा कि कृषि, पशुपालन और डेयरी क्षेत्र एक दूसरे के पूरक हैं। आपसी सामंजस्य के साथ कार्य करते हुए ये तीनों क्षेत्र आपणो अग्रणी राजस्थान के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में किसानों, पशुपालकों और डेयरी संघों में पदाधिकारियों के साथ बजट पूर्व संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमने सरकार के गठन के तुरंत बाद राज्य के विकास का रोड मैप बनाते हुए कृषि क्षेत्र की प्रमुख आवश्यकताओं पानी और बिजली पर विशेष ध्यान दिया। पानी की पर्याप्त उपलब्धता के लिए राम जल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी नहर परियोजना, गंगनहर, माही बांध एवं देवास परियोजना के कार्यों को आगे बढ़ाया गया। वहीं बिजली आपूर्ति के क्षेत्र में भी लगातार कार्य करते हुए हमने वर्ष 2027 तक किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाने का लक्ष्य तय किया है।

किसानों को प्रतिवर्ष मिल रही 3 हजार रुपये की अतिरिक्त सम्मान राशि

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में किसानों को प्रतिवर्ष मिलने वाली 6 हजार रुपये की सम्मान निधि के अतिरिक्त राज्य सरकार मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 3 हजार रुपये की सम्मान निधि दे रही है। अब तक राज्य सरकार द्वारा चार किस्तों में 72 लाख किसानों को 2 हजार 73 करोड़ रुपये की अतिरिक्त सम्मानि राशि दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि हमने पिछले दो साल में 921 करोड़ का अनुदान जारी कर 59 हजार से अधिक सौर पंप संयत्रों की स्थापना करवाई है। अब तक 17 लाख 30 हजार मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए गए हैं। प्रदेश के कृषकों को निर्यातकों और खुदरा आपूर्ति समूहों से सीधे जोड़ने के लिए अब तक 913 कृषक उत्पादक संगठन पंजीकृत किए जा चुके हैं। शर्मा ने कहा कि गत दो वर्ष में वर्षा जल संग्रहण के लिए 35 हजार से अधिक फार्म पौंड का निर्माण करवाया गया है और इसके लिए 300 करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान दिया गया है। 34 हजार से अधिक किलोमीटर में खेतों पर तारबंदी के लिए 377 करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान दिया गया है।

किसानों की बढ़ रही आय, उत्पादों को मिल रही विश्व में पहचान

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने और उनके उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने के लिए भी राज्य सरकार प्रयास कर रही है। राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना-2024 में अन्य उद्योगों के साथ कृषि और इससे जुड़े उद्योगों को विभिन्न प्रोत्साहन देने का प्रावधान किया गया है। हमने 3 हजार 229 प्याज भंडारगृहों का निर्माण करवाया है, जिनके लिए करीब 45 करोड़ रुपये का अनुदान दिया गया है। राज्य के स्थानीय उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए सोजत की मेहंदी एवं नागौरी अश्वगंधा को जीआई टैग मिल चुका है। नागौरी पान मेथी, कैर, सांगरी, बीकानेरी मोठ, बारां के लहसुन और मारवाड़ी काचरी के जीआई टैग प्रक्रिया में हैं। उन्होंने कृषकों से आग्रह किया कि कृषि कार्य में रासायनिक उर्वरकों का सीमित मात्रा में उपयोग करें जिससे भूमि का उपजाऊपन बना रहे।

विभिन्न फैसलों से पशुपालकों का हुआ सशक्तीकरण

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने पशुपालकों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लेकर उनका सशक्तीकरण किया है। पशुधन की असमय मृत्यु के कारण संभावित नुकसान से सुरक्षा मुहैया कराने के लिए मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना शुरू की गई है। इस योजना के तहत अब तक 12 लाख से अधिक पशुओं का निःशुल्क बीमा किया गया है। उन्होंने कहा कि पशुपालकों को उनके द्वार पर पशु चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए मोबाइल वेटेरिनरी सेवाएं प्रारंभ की गई हैं। इसके तहत अब तक 536 मोबाइल वाहनों द्वारा करीब 60 लाख पशुओं का उपचार किया गया है। पशुओं के इलाज के लिए मुफ्त दवाओं की संख्या 138 से बढ़ाकर 200 कर दी गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना से किसानों और पशुपालकों को आय में वृद्धि के अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना के तहत हम दुग्ध उत्पादकों को 5 रुपये प्रति लीटर अनुदान दे रहे हैं। इसके तहत अब तक 5 लाख से अधिक दुग्ध उत्पादकों को 1 हजार 300 करोड़ से अधिक का भुगतान किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार पंजीकृत गौशालाओं में बड़े पशु के लिए प्रतिदिन 50 रुपये और छोटे पशु के लिए प्रतिदिन 25 रुपये का अनुदान भी दे रही है। गौशालाओं को अब तक 3 हजार 432 करोड़ रुपये का अनुदान दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि गोपाल रत्न अवॉर्ड 2025 के तहत राजस्थान को देश में सबसे ज्यादा 3 राष्ट्रीय पुरस्कार मिले हैं।

बैठक में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए किसानों, पशुपालकों एवं डेयरी संघों के पदाधिकारियों ने राज्य सरकार द्वारा कृषकों व पशुपालकों के हित में किए गए महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कम लागत और अधिक आय वाली फसलों का उत्पादन बढ़ाने, जैविक खेती को प्रोत्साहन देने, महिला कृषकों को और अधिक सशक्त बनाने जैसे सुझाव दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सकारात्मक और महत्वपूर्ण सुझावों को आगामी राज्य बजट में शामिल करने का प्रयास किया जाएगा।

इस अवसर पर राजस्थान किसान आयोग के अध्यक्ष सी.आर. चौधरी, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) अखिल अरोड़ा, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया, प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी श्रीमती मंजू राजपाल सहित वरिष्ठ अधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में किसान, पशुपालक एवं डेयरी संघों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

एनजीओ, सिविल सोसाइटी और उपभोक्ता फोरम से बजट पूर्व संवाद

विकसित राजस्थान के निर्माण में एनजीओ एवं सिविल सोसायटी की भागीदारी जरूरी- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जन आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति के सशक्त माध्यम है सामाजिक संगठन, इनके अनुभव जनकल्याण को दिशा देने में सहायक

प्रतिनिधियों ने दिव्यांग, घुमंतू एवं उपभोक्ता कल्याण, पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर दिए सुझाव, राज्य सरकार के जनकल्याणकारी फैसलों को सराहा

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सामाजिक संगठन जन आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति के सशक्त माध्यम है तथा इनके अनुभव एवं सुझाव जनकल्याण को दिशा देने में सहायक होते हैं। उन्होंने कहा कि विकसित एवं उत्कृष्ट राजस्थान के निर्माण में एनजीओ, सिविल सोसायटी एवं उपभोक्ता मंच की भागीदारी भी जरूरी है। ये संस्थाएं जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में प्रभावी कड़ी बन सकती हैं।

शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में एनजीओ, सिविल सोसाइटी और उपभोक्ता फोरम के प्रतिनिधियों से बजट पूर्व संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इन संवादों के जरिए विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों से सुझाव ले रही है, ताकि आगामी बजट के माध्यम से विकसित राजस्थान की यात्रा में प्रत्येक वर्ग एवं क्षेत्र की भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

वीबी-जी राम जी से ग्रामीण विकास को मिलेगी मजबूती

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आर्थिक नीतियों का केंद्र आम नागरिक रहा है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केन्द्र सरकार द्वारा लाया गया विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) गारंटी अधिनियम, 2025 ग्रामीण विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। इसके माध्यम से मनरेगा की अनियमितताओं को तकनीक का उपयोग कर दूर किया जाएगा। साथ ही, इससे ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत संरचनाओं को भी मजबूती मिलेगी।

राज्य सरकार ने स्थापित किए सेवा एवं सुशासन के नए मानक

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने पिछले दो वर्षों में सेवा और सुशासन के नए मानक स्थापित किए हैं। हमने ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों के माध्यम से आमजन की समस्याओं का निस्तारण करते हुए उन्हें राहत पहुंचाई है। इसी तरह राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों की आंखों की जांच एवं चश्में उपलब्ध करवाने के लिए नेत्र शिविर भी आयोजित करवाए जा रहे हैं।

संवाद कार्यक्रम में जिला दिव्यांग सेवा संस्थान (जालोर), अर्पण सेवा संस्थान, घुमंतू कल्याण संस्थान, प्रयास संस्थान, कट्स संस्थान, एसडब्ल्यूआरसी तिलोनिया, सेन्ट्रल फॉर डवलपमेंट कम्यूनिकेशन जयपुर, अपना घर आश्रम, टाबर संस्थान, सक्षम संस्थान, सिविल राईट सोसायटी, श्रीमती शांति देवी जनकल्याण ट्रस्ट, अलख फाउंडेशन, चौथमल पुजारी चैरिटेबल ट्रस्ट, कन्ज्यूमर एक्शन एण्ड नेटवर्क, जनाधिकार समिति, सेन्टर फॉर दलित राईट्स सहित अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने सुझाव दिए। इन प्रतिनिधियों ने दिव्यांग कल्याण, महिला उत्थान, घुमंतू कल्याण, उपभोक्ता कल्याण, पर्यावरण संरक्षण, ग्रामीण विकास, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, पुनर्वास केन्द्रों एवं स्वयं सहायता समूहों के सशक्तीकरण जैसे विषयों पर अपनी राय रखी। साथ ही, उन्होंने राज्य सरकार द्वारा पिछले 2 वर्षों में स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में लिए गए जनकल्याणकारी फैसलों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने प्रतिभागियों के सुझावों को गंभीरता से सुना। उन्होंने कहा कि प्राप्त सुझावों का विश्लेषण करते हुए आगामी बजट में समाहित करने का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण विकास श्रीमती श्रेया गुहा, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया सहित वरिष्ठ अधिकारीगण एवं विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कड़ाके की ठंड के बीच गरीबों को राजस्थान उत्तराखंड सभा ने जयपुर में बांटे कंबल...

पूरे महीने चलता रहेगा वस्त्र वितरण अभियान ढूंढ ढूंढ कर जरूरतबंदो को बांटे जाएंगे गर्म कपड़े

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। राजस्थान उत्तराखंड सभा, राजस्थान प्रदेश युवा प्रकोष्ठ की ओर से जयपुर के पदाधिकारियों द्वारा जरूरतबन्दों को कंबल व गरम कपड़े बांटे गये। सभा प्रदेश अध्यक्ष बी एस रावत की उपस्थिति और बृजमोहन सिंह नेगी, प्रदेश युवा प्रकोष्ठ महासचिव के निर्देशन में कार्यक्रम रखा गया। सभा अध्यक्ष बी एस रावत ने कहा कि हम सालों साल से वस्त्र वितरण कार्यक्रम करते आ रहे है उसी सिलसिले में आज वस्त्र दान कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। जयपुर में ठंड ज्यादा बढ़ी हुई है ऐसे में सभा के पदाधिकारियों ने आज जयपुर के मांगयावास क्षेत्र में झुग्गी झोपड़ीयों, खुल्ले में रहने को मजबूर परिवारों के बीच जाकर कंबल व कपड़े बांटे गये।

प्रदेश महासचिव प्रहलाद सिंह अधिकारी ने कहा कि ÷परहित सरसी धर्म नही भाई...÷ असहाय पीड़ितों, जरूरतबन्दों की सेवा का फल अनमोल होता है यही कार्य सभा के पदाधिकारी मिलजुलकर कर रहे है। आज भी सभी प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों ने कम्बल और पुराने पहनने योग्य गर्म कपड़े एकत्रित कर सैकड़ों परिवारों के मध्य बांटे। सभा का यह प्रयास लगातार आगे भी अन्य जगहों में वस्त्र वितरण कार्यक्रम किये जायेंगे।

कार्यक्रम में सभा मुख्य पदाधिकारी अजय सिंह नेगी, महावीर सिंह पटवाल, गोदावरी कांडपाल, बीना पंत, ज्योति नेगी, नवीन जोशी, अमर सिंह अधिकारी, परमेश चौहान, धीरज नेगी, प्रदीप तराड़ी, रीता आनन्द पांडे, बसंत भट्ट, दुर्गा सिंह अधिकारी, विक्रम सिंह अधिकारी, ललित फुलार, चंडी प्रसाद के अलावा विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी, सहयोगियों ने पहुंचकर सैकड़ों परिवारों को सर्दी में गर्म कपड़े, कंबल, खाद्य सामग्री देकर राहत पहुंचाई। प्रदेश संगठन मंत्री ने सभी कार्यक्रम सहयोगियों, साथियों का धन्यवाद किया।

जयपुर में 1500 से ज्यादा राहें हुई आसान...राहत का दूसरा नाम बना रास्ता खोलो अभियान

महज 14 महीनों से भी कम समय में खुला लाखों ग्रामीणों के लिए राहत का रास्ता

फागी अव्वल...सर्वाधिक 136 रास्ते खुलवाए, मौजमाबाद में प्रशासन ने खुलवाए 120 रास्ते

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी स्वयं कर रहे अभियान की मॉनिटरिंग

सहमति और समझाइश से हर सप्ताह प्रत्येक तहसील में खुलवाए जा रहे 3 रास्ते

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की प्रभावी अनुपालना में जयपुर जिले में संचालित 'रास्ता खोलो अभियान' अब ग्रामीणों एवं किसानों के लिए राहत का प्रतीक बन गया है। प्रशासन की संवेदनशील पहल से महज 14 महीनों से भी कम समय में जिले में वर्षों से बंद पड़े 1,508 रास्ते खुलवाए गए, जिससे लाखों ग्रामीणों की खेतों, ढाणियों और गांवों तक पहुंच सुगम हुई है।

रास्ता खोलो अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन और अधिक से अधिक आमजन को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी स्वयं अभियान की निरंतर मॉनिटरिंग कर रहे हैं। प्रशासन की सक्रियता और संवाद आधारित रणनीति के चलते कई वर्षों पुराने विवादों का समाधान सहमति एवं समझाइश से किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत फागी तहसील अव्वल रही, जहां सर्वाधिक 136 रास्ते खुलवाए गए। वहीं मौजमाबाद तहसील में 120 रास्ते खुलवाकर ग्रामीणों को बड़ी राहत प्रदान की गई। अभियान के नोडल अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर आशीष कुमार ने बताया कि जिला कलक्टर के निर्देशन में प्रत्येक तहसील में हर सप्ताह न्यूनतम 3 रास्ते खुलवाने का लक्ष्य तय किया गया है। इसी के तहत सहमति और समझाइश से गांवों, खेतों और ढाणियों के वर्षों से अवरुद्ध रास्तों को खोला जा रहा है। उन्होंने बताया कि 15 नवम्बर 2024 से 10 जनवरी 2026 की अवधि में रास्ता खोलो अभियान के तहत फागी तहसील में सर्वाधिक 136 रास्ते खुलवाए गए। इसके पश्चात मौजमाबाद तहसील में 120, आंधी में 101, चौमूं में 91, शाहपुरा में 86, आमेर एवं जमवारामगढ़ में 80-80, दूदू में 78, माधोराजपुरा में 76, जोबनेर में 74, रामपुरा-डाबड़ी में 72, फुलेरा में 81, चाकसू में 82 रास्ते खुलवाए गए हैं। वहीं, बस्सी में 77, किशनगढ़-रेनवाल में 65, कोटखावदा में 63, जालसू में 57, तूंगा में 50, सांगानेर में 27, कालवाड़ में 8 तथा जयपुर तहसील में 4 रास्ते खुलवाए गए हैं, जिससे जिले में वर्षों से अवरुद्ध आवागमन मार्ग पुनः सुचारु हुए हैं और ग्रामीणों को सीधी राहत मिली है, जिससे जिले में आवागमन सुगम होने के साथ-साथ ग्रामीणों और किसानों को सीधा लाभ मिला है। आशीष कुमार ने बताया कि जिला कलक्टर ने रास्ते खुलने के पश्चात ग्रेवल एवं सीसी रोड निर्माण कार्य भी शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए हैं। इन निर्देशों की अनुपालना में अब तक 300 किलोमीटर से अधिक ग्रेवल रोड एवं 20 किलोमीटर से अधिक सीसी रोड का निर्माण कराया जा चुका है। न्यायालय में विचाराधीन प्रकरणों में परिवादियों को संबंधित न्यायालय से ही समाधान प्राप्त होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में रास्तों पर अतिक्रमण को लेकर जनसुनवाई एवं न्यायालयों में बड़ी संख्या में परिवाद सामने आते रहे हैं, जिससे आमजन को अनावश्यक रूप से समय, धन और संसाधनों की हानि होती थी तथा कानून व्यवस्था भी प्रभावित होती थी। इन्हीं समस्याओं के स्थायी समाधान के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने 'रास्ता खोलो अभियान' की शुरुआत की, जो अब जनविश्वास और प्रशासनिक संवेदनशीलता का सफल मॉडल बनकर उभरा है।

स्वामी एवं प्रकाशक बुधमती गोस्वामी एवं मुद्रक ताराचंद कुमावत द्वारा महारानी प्रिन्टर्स, 17 मां वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर छपवाकर/मुद्रित कर, 10 MA, आईजी नगर, जगतपुरा,जयपुर, राजस्थान - 302017 से प्रकाशित किया। प्रधान संपादकः बुधमती गोस्वामी एवं संपादकः रमाकान्त गोस्वामी, पीआरजीआई नं. RAJHIN/25/A4779 ब्रांच ऑफिसः 18k3, पंकज सिंघवी मार्ग, ज्योति नगर, जयपुर-302002, मो. नं. 7610866001, हैल्प लाईन नं.: 8946840063, ईमेल आईडीः uncoveredupdate@gmail.com, वेबसाइटः www.theunvoveredupdate.com (इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी. आर. पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तदायी), किसी भी वाद-विवाद से निपटने के लिए न्यायालय जयपुर मान्य होगा।